दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:58 ए एम
सूर्यास्तः 06:45 पी एम
तिथिः अष्टमी - 01:34 ए एम, अप्रैल 14 तक
नक्षत्रः पूर्वाषाढा - 10:43 ए एम तक
योगः शिव - 12:34 पी एम तक
करणः बालव - 02:40 पी एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 01:34 ए एम
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः सोमवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 115 • पृष्ठ 8 • दुमका, सोमवार 24 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने पुरे 36 दिन बाद किया गिरफ्तार

अमृतसर/एजेंसी।

वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने 36 दिन की फरारी के बाद मोगा जिले में रोडे गांव के गुरुद्वारे से रविवार सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर अरेस्ट कर लिया। इसके बाद पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन से गई। जहां से उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी के बाद मोगा में तनाव है, पुलिस फोर्स तैनात की गई है। गुरुद्वारे के ग्रंथी ने बताया कि अमृतपाल शनिवार रात को रोडे गांव पहुंचा था। आज सुबह गिरफ्तारी से पहले उसने गुरुद्वारे के ग्रंथी से पांच ककार (केश, कृपाण, कंघा, कड़ा और कच्छा) लेकर पहने और प्रवचन के जरिए लोगों को संबोधित किया।

जिस रोडे गांव से अमृतपाल को पकड़ा गया है, वहीं जरनैल सिंह भिंडरांवाला का जन्म हुआ था। वारिस पंजाब दे का प्रमुख बनने के लिए यहीं उसकी दस्तारबंदी हुई थी। अमृतपाल समर्थकों की भीड़ के साथ सरेंडर करके शक्ति प्रदर्शन करना चाहता था। इसके लिए रविवार का दिन चुना गया था। अमृतपाल के करीबियों ने ही पंजाब पुलिस को उसके सरेंडर प्लान के बारे में बताया था। पुलिस को आशंका थी कि भीड़ जमा होने पर माहौल बिगड़ सकता है। लिहाजा पुलिस टीम सादे कपड़ों में पहुंची और सुबह ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

36 दिनों से फरार था अमृतपाल

वारिस पंजाब दे का प्रमुख अमृतपाल सिंह कई दिनों से फरार था. इसलिए उसकी तलाश में सर्च अभियान चल रहा था. अमृतपाल को पकड़ने के लिए पुलिस ने आम जनता से भी सहयोग मांगा था. पुलिस की तरफ से कहा गया था कि अमृतपाल सिंह की सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा और उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा. अमृतपाल के लिंक क्रकके साथ जुड़े होने के प्रारंभिक संकेत मिलने के बाद केंद्र सरकार भी सतर्क हो गई थी. अमृतपाल को विदेश से फंडिंग मिलने का शक है. उसके महंगी गाड़ियों में सफर करने को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है. खुफिया एजेंसियों का कहना है कि अमृतपाल सिंह अपनी जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के जरिए पाकिस्तान से हथियार मंगवा रहा है और पंजाब को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रहा है. खुफिया एजेंसियों के हवाले से जानकारी मिली है कि अमृतपाल सिंह 25 सितंबर 2022 से हिंदुस्तान में मौजूद है. साल 2012 में दुबई गया था, और वहा संधू कार्गो कंपनी जो उसके पिता तरसेम चलाते थे उसमे काम करता था. वो एकदम कट्टरपंथी विचारधारा वाला शख्स है, और भिंडरावाले के ऑडियो कैसेट सुनने का शौक रखता है. जब तक ये दुबई में रहा इसने हमेशा बाल छोटे रखे और न पगड़ी बांधी.

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु/एजेंसी। जनता दल के नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी को थकावट और सामान्य कमजोरी की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया और अब वह 'चिकित्सीय रूप से स्थिर हैं तथा स्वस्थ हो रहे हैं.' उनका इलाज कर रहे अस्पताल ने रविवार को यह जानकारी दी है. कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यालय ने बताया कि 63 वर्षीय कुमारस्वामी को बुखार था और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी. वह लगातार राज्य का दौरा कर रहे थे. अस्पताल ने एक बयान में कहा, ''एच डी कुमारस्वामी को ओल्ड एअरपोर्ट रोड बेंगलुरु के मणिपाल हॉस्पिटल में 22 अप्रैल 2023 की शाम को भर्ती कराया गया और वह डॉ. सत्यनारायण मैसूर की देखरेख में हैं. उन्हें थकावट और सामान्य कमजोरी की शिकायत थी.'बयान में कहा गया है, ''सभी संबंधित चिकित्सीय जांच और उपचार किया जा रहा है. वह चिकित्सीय रूप से स्थिर हैं और स्वस्थ हो रहे हैं.''कुमारस्वामी कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जद (एस) उम्मीदवारों के प्रचार के लिए लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

59,727.01–183.74 (0.31%)

निफ्टी

17,660.15–46.70 (0.26%)

विश्व के 155 देशों की पवित्र नदियों के जल से राम मंन्दिर का जलाभिषेक आज

अयोध्या/एजेंसी।

भगवान राम की नगरी अयोध्या में 155 देश के पवित्र जल से भगवान रामलला के जलाभिषेक की तैयारी की जा रही है. रविवार सुबह दिल्ली स्टडी ग्रुप के नेतृत्व में पाकिस्तान समेत दुनिया भर के 155 देशों के पवित्र जल से भगवान रामलला के प्रांगण में जलाभिषेक का कार्यक्रम होगा. जिसमें कई देशों के राजदूत, अप्रवासी भारतीयों के अलावा विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे. दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष और पश्चिमी दिल्ली के पूर्व विधायक विजय जौली ने बताया कि कार्यक्रम में कई विशिष्ट और अति विशिष्ट लोग शामिल होंगे. सुबह 10:00 बजे वैदिक ब्राह्मणों की मौजूदगी में 155 देशों से एकत्रित किए गए जल का पूजन अर्चन होगा. उन्होंने बताया कि इस दौरान संत समाज की एक संगोष्ठी होगी और पूरे विश्व से एकत्रित किए गए जल पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा. साथ ही प्रसिद्ध कथा वाचक अजय भाई के द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा और दोपहर 2:00 बजे भगवान रामलला के परिसर में जाकर भगवान राम लला का दर्शन कर निर्माणाधीन स्थल पर 155 देशों से एकत्रित किए गए पवित्र जल को अर्पण किया जाएगा. कार्यक्रम के आयोजक विजय जॉली की माने तो इस कार्यक्रम में योग गुरु बाबा रामदेव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की उम्मीद है. हालांकि कार्यक्रम में राजनाथ सिंह को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन कोरोना संक्रमित होने के बाद उनका कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है. दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष और कार्यक्रम के आयोजक विजय जौली ने बताया कि मणि पर्वत की शाखा गांव कथा भवन में सुबह 10:00 बजे आशीष वचन से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. पुणे के 9 वैदिक विद्वान मंत्रोचार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे. जिसके बाद विश्व के 155 देशों से एकत्रित किए गए जल पर एक फिल्म का प्रदर्शन भी होगा.

'दूसरों से सवाल करना आसान और खुद से मुश्किल': राहुल

बेंगलुरु/एजेंसी। कर्नाटक चुनाव के लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कर्नाटक चुनाव में प्रचार के लिए दो दिवसीय दौरे पर रविवार को बागलकोट पहुंचे। यहां राहुल गांधी ने संगमनाथ मंदिर और कुदालसंगम तीर्थस्थल का दौरा किया और पूजा अर्चना की। राहुल गांधी के संगमनाथ मंदिर और कुदालसंगम तीर्थस्थल के दौरे को लिंगायत समुदाय को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बागलकोट में आयोजित बसवा जयंती समारोह में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि दूसरों से सवाल करना आसान है, लेकिन खुद से सवाल करना मुश्किल है। कांग्रेस नेता ने महान कवि और समाज सुधारक बसवन्ना के बारे में बताते हुए कहा कि जहां अंधेरा होता है, उसी अंधेरे में कहीं-न-कहीं रोशनी भी निकलती है।

उस समय समाज में अंधेरा था, इसलिए बसव जी अंधेरे में रोशनी बनकर निकले।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संथाल परगना पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय कमेटी भंग, नई कमेटी का खाका तैयार

असीम मंडल बने केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और जयप्रकाश यादव बने जिलाध्यक्ष

ओबीसी छात्र मोर्चा का भी हुआ गठन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संथाल परगना पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय कमेटी की बैठक केंद्रीय अध्यक्ष माधव चंद्र महतो के अध्यक्षता में शहर के बंदरजोरी में सम्पन्न हुआ। संगठन को सशक्त बनाने और नए लोगों को संगठन में भागीदारी देने के लिए केंद्रीय अध्यक्ष माधव चंद्र महतो ने तत्काल प्रभाव से केंद्रीय कमेटी को भंग कर देने की घोषणा किया। सर्वसम्मति से तत्पश्चात सर्वसम्मति से पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संथाल परगना का गठन करते हुए नए कमेटी का खाका तैयार करते हुए 21 सदस्यीय कमेटी के लिए सक्रिय लोगों का चयन किया गया। वर्तमान में सर्वसम्मति से पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष असीम मंडल केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौपीं गयी। साथ ही अध्यक्ष की ओर से कमिटी गठन का दायित्व सौंपा गया। जिला के संगठन के लिए जयप्रकाश यादव को अध्यक्ष और जयकांत कुमार को प्रधान महासचिव की जिम्मेवारी दिया गया। ओबीसी छात्रों को संगठित करने के लिए ओबीसी छात्र मोर्चा का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष आशीष कुमार उपाध्यक्ष अमित कुमार मधुकर , मृत्युंजय यादव व पांडव कुमार मरीक और महासचिव कपिलदेव मंडल को चुना गया।

अध्यक्ष माधव चंद्र महतो ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा दुमका जिला में ओबीसी का आरक्षण शून्य कर दिया गया है। सरकार द्वारा राज्यपाल के पास एसटी एससी ओबीसी का आरक्षण बढ़ाने का विधायक भेजा जाता है राजभवन द्वारा उसे वापस कर दिया जाता है। वहीं कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने वाला विधेयक को राजपाल पारित कर देते हैं। उन्होंने कहा कि देश एक है संविधान एक है लेकिन अलग-अलग प्रांतों में दोरंगी नीति सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ओबीसी ही ओबीसी की बात करेगा और ओबीसी ही राज करेगा। जिला आरक्षण रोस्टर में ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण देने के विरोध में उसके नोटिफिकेशन की प्रतियां जलाई जाएंगी और गाँव गाँव में राज्यपाल और मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा। प्रत्येक पंचायत मुख्यालय में धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उसके बाद दसों प्रखंड मुख्यालय में एक साथ धरना प्रदर्शन तत्पश्चात जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उसके बाद भी सरकार मांग पूरा नहीं करती है तो जेल भरो अभियान की शुरुआत किया जाएगा। इसके पूर्व 15 दिनों के अंदर सभी कमेटी को अंतिम रूप दिया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्य रूप से असीम कुमार मंडल, डॉ अमरेंद्र यादव, सुधीर कुमार मंडल, रंजीत जयसवाल, वरुण यादव, दिवाकर महतो, शिव नारायण दर्वे, जयप्रकाश यादव, अजीत कुमार मांझी, लालमोहन राय, दयामय माजी, जयकांत कुमार, चंद्रशेखर यादव, सुरेंद्र यादव विजय कापरी, सीताराम मंडल, शयामसुंदर मोदी, महादेव यादव, पवित्र कुमार मंडल, मनोज कुमार पंडित, संजय जयसवाल, जितेंद्र कुमार, दशरथ मांझी, कंचन यादव, बिहारी यादव जितेंद्र प्रसाद साह, बालेश्वर सिंह, जितेश कुमार दास, अरुण पंजियारा, कपिल देव मंडल, अमरनाथ साह, संतोष यादव, दिव्येंदु सील, जनसंघ मंडल जनार्दन पंडित सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बारापलासी में भव्य कलश शोभायात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारापलासी बाजार में रविवार को हिन्दू जागरण समिति बारा पलासी द्वारा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर किया गया।इस अवसर पर 251 कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा भव्य कलश शोभायात्रा का शुभारंभ बारापलासी बाजार स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर से कलश में विधिवत वैदिक मंत्र के साथ जल भरने के उपरांत प्रारम्भ किया गया,जिसके बाद शोभायात्रा बारापलासी बाजार,पिपरा गांव,लकड़ दीवानी गांव व पलासी गांव का भ्रमण करते हुए पुनः बारापलासी बाजार स्थित कथा आयोजन स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में बारापलासी बाजार, गझंडा,लकड़दीवानी,कुंडाडीह , सितुआ एवं पिपरा गांव सहित अन्य गांवों की कन्याएं,महिलाएं एवं ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान हिंदू जागरण समिति बारापलासी के पंकज सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन से आए कथा व्यास गौरव कृष्णा जी महाराज के मुखारविंद से प्रतिदिन संध्या सात बजे से रात्रि 11:00 बजे तक अमृतमय कथा प्रवचन होगा जो लगातार सात दिनों तक चलेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोकसभा सांसद सुनील सोरेन,गोकुल बिहारी सेन,आयोजन समिति में पंकज सिंह, प्रेम यादव, सुभाष नाग,सुभाष राय, दिनेश भालोटिया, कमलेश केलंका, विक्की केलंका,सोनू सेन,विनय बिहारी सेन, मिट्ठू केलंका,संदीप कुमार,वरुण कापरी, मुन्ना दुबे, सुरेश भालोटिया, पवन भालोटिया, रामेश्वर मांझी, अरुण यादव,सौरव यादव, दीपक साह,अर्जुन साह, घनशयाम ठाकुर सहित अन्य शामिल रहे।

इस दौरान विधि व्यवस्था को बनाए रखने को लेकर जामा थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस जवान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मारवाड़ी युवा मंच दुमका शाखा अमृतधारा प्याऊ कार्यक्रम के तहत मारवाड़ी चौक पर लगाएं गए 10 प्याऊ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। मारवाड़ी युवा मंच दुमका शाखा सदैव ही मानव सेवा के लिए तत्पर रहा है।जन सेवा ही जनार्दन सेवा मारवाड़ी युवा मंच का उद्देशय है। भीषण गर्मी जो अपने चरम पर हो उस समय प्यासे को पानी पिलाने का विशेष महत्व होता है।अक्षय तृतीया के अवसर पर भीषण गर्मी को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच दुमका शाखा द्वारा 10 अस्थाई अमृतधारा का लोकार्पण मारवाड़ी चौक पर किया गया।मारवाड़ी युवा मंच दुमका शाखा अमृतधारा प्याऊ कार्यक्रम के तहत 10 प्याऊ मारवाड़ी चौक में लगाए गए जिसे अलग-अलग जगहों पर लगाया जाएगा। जिससे राहगीरों को राहत और सुकून मिल सके।अमृत धारा कार्यक्रम के मौके पर उपाध्यक्ष युवा संदीप पटवारी,प्रांतीय उपाध्यक्ष सुनील घीड़िया,प्रांतीय सहायक मंत्री मंडल अजय घीड़िया,प्रांतीय संयोजक अमन बजाज,वरिष्ठ सदस्य नरेश संथालिया, विष्णु हिम्मत सिंहका,नरसिंह अग्रवाल,सचिव रमेश कुमार अग्रवाल,वरुण दारूका, युवा साथी विजय वर्मा,राजेश अग्रवाल, मोती संथालिया,रोनक दारूका,हनी भालोटिया,राजकुमार अग्रवाल, मयंक अग्रवाल,नोनीहॉट के युवा साथी मीडिया बंधु एवं गणमान्य लोग मौजूदथे।

तेज रफ्तार हाईवा ने मारी सामने जा रहे हाईवा में जोरदार ठोकर,ठोकर मारने वाले हाईवा का खलासी गंभीर रूप से घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गोपीकांदर के खेड़ीबाड़ी गूगल लाईन होटल के समीप आज एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। रविवार को कोयला लदे एक हाईवा ने सामने चल रहे हाईवा को जोरदार ठोकर मार दी। दोनों वाहनों में टक्कर इतनी जोरदार थी कि ठोकर मारने वाले हाईवा में सवार खलासी गम्भीर रूप से घायल हो गया है। जबकि चालक मौके का फायदा उठाते हुए भाग निकला। सूचना पर गोपीकांदर पुलिस स्थानीय लोगों के सहयोग से खलासी को गोपीकांदर सीएचसी में भर्ती कराया,जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। दुर्घटना के संबन्ध में बताया जाता है पाकुड़ जिले के आमड़ापाडा अंचल क्षेत्र के आलूबेड़ा में कोल उत्खनन कार्य किया जाता है। हाईवा से कोयला को दुमका रेलवे रैक ले जाया जाता है। रविवार सुबह कोयला लदा हाइवा तेज रफ्तार से दुमका रैक जा रहा था, इसी बीच गूगल होटल के पास आगे चल रहे हाइवा को जोरदार ठोकर मार दी। हालाकि इस दुर्घटना में आगे चल रहे हाइवा के चालक व खलासी सुरक्षित है,लेकिन पीछे से हाइवा जेएच 04 एक्स 0690 का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। खलासी को जेसीबी मशीन से कैबिन को उखाड़ को निकाला जा सका। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को जप्त कर लिया है। डब्ल्यूपीडीसीएल कंपनी ने जब से दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर कोयला परिवहन का कार्य शुरू किया है तब से मानो दुर्घटनाओं की बाढ़ आ गई है। कभी छोटे वाहन तो कभी कोयला लदे हाईवा आपस में ही भीड़ जा रहे हैं। हालात यह हैं कि आये दिन कोयला ढुलाई में लगे हाईवा से दुर्घटना हो रही है और पुलिस शव को कब्जे में लेने के लिए तैयार रहती है। सूत्रों की माने तो कोयला ढुलाई में लगे हाईवा द्वारा ओवर स्पीड और ओवर टेकिंग करना दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण है। सड़क समतल हो, डाउन हो या फिर चढ़ाई वाली हो हाईवा को हर जगह पर ओवर टेक करते हुए देखा जा सकता है। इसे देखने वाला कोई नहीं है।

तेज रफ्तार ट्रक व स्कार्पियो में आमने सामने की टक्कर,कोई हताहत नहीं,स्कार्पियो क्षतिग्रस्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मसानजोर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमका सिउड़ी मुख्य पथ पर मसानजोड़ निरीक्षण भवन के पास एक ट्रक एवं स्कार्पियो डब्लू बी 58 बी एच 4768 में आमने सामने की टक्कर हो गई, जिसमें स्कार्पियो का अगला एवं पीछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। स्कार्पियो में धक्का मारने के पश्चात ट्रक डब्लू बी 23 ई 2988 तेज रफ्तार से घटना स्थल से भाग रहा था।सूचना मिलने पर मसानजोड़ थाना पुलिस ने पीछा करते हुए कुछ दूरी पर ट्रक को पकड़कर थाना में लाकर रखा है। लोगों के अनुसार स्कार्पियो डबलू बी 58 बी एच 4768 से ईद के अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के पर्यटक मसानजोड़ घूमने आए थे। सामाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी।

सचिन नंदी को किया जाएगा नेशनल यूथ एक्सचेंज अवार्ड से सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के एनएसएस स्वयंसेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सचिन नन्दी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों को लेकर सात मई को नेशनल यूथ एक्सचेंज अवार्ड 2023 से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें जम्मू-कश्मीर में आयोजित कार्यक्रम में दिया जाएगा।बताते चलें कि सचिन नन्दी मसलिया प्रखंड के रहने वाले है।सचिन नन्दी अपनी बुलंदियों, सेवा के प्रति निष्ठा व अपने सहृदय आचरण के लिए जाने जाने वाले जुझारू छात्र हैसचिन ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक के रूप में अपनी पढ़ाई के साथ साथ समाज सेवा की भावना बनाएं रखी जिससे इनके द्वारा समाज में शिक्षा, जागरूकता,पर्यावरण-संरक्षण, स्वछता अभियान जैसे कई कार्यक्रमों को आयोजित किया गया।इन्होंने रक्तदान के क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।उनके कार्य को देखते हुए प्राइड ऑफ़ यंग हिंदुस्तान अवॉर्ड 2022 महाराष्ट्र, युवा गौरव पुरस्कार 2022, उत्तरप्रदेश,कन्यादान शिरोमणि सम्मान 2022,मिथिला ग्लोबल पुरस्कार बिहार एवं झारखंड युवा सदन से पुरस्कृत किया जा चुका है।इसके अलावा कई राज्यों एवं राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार से पूर्व में सम्मानित हो चुके है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पीएचडी की मानद उपाधि से शयाम किशोर सिंह गांधी को किया गया सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी फ्लोरिडा यूएसए ने झारखंड की उपराजधानी दुमका से शयाम किशोर सिंह गांधी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पीएचडी (नवाचार शिक्षा और सामाजिक सेवाओं के विशेष क्षेत्र में डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी) की मानद उपाधि से आईएएस जयबीर सिंह आर्य ने सम्मानित किया है।यह सम्मान रेनबो चैरिटी यूनिवर्सल ट्रस्ट और सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वाधान में दिल्ली में 23 अप्रैल 2023 को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में दिया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जयबीर सिंह आर्य (आईएएस), डॉ जय प्रकाश गर्ग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद (गौ रक्षा विभाग) , शुभम यादव चांसलर श्रीधर यूनिवर्सिटी , पीयूष पुष्कर कमांडेंट (आईटीबीपी) , महंत शेर सिंह एवं रेनबो चैरिटीज यूनिवर्सल ट्रस्ट एवं सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी फ्लोरिडा, यूएसए के प्रतिनिधि शामिल थे। यहां बता दे कि वर्तमान में शयाम किशोर सिंह गांधी उत्क्रमित मध्य विद्यालय वनकाठी के प्रधानाध्यापक है। साथ ही झारखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन दुमका के जिलाध्यक्ष भी है।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

संक्षिप्त समाचार

डीबीएल कंपनी और ग्रामीणों के बीच बैठक

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के डीबीएल कॉल कंपनी और आलूबेड़ा ग्रामीणों के बीच बकाया राशि का भुगतान को लेकर बैठक की गई। ग्रामीणों का कहना है कि हम लोग वर्कर का बकाया पैसा कब तक भुगतान किया जाए और खेती का पैसा कब तक भुगतान करने की लेकर चर्चा की गई। बैठक में ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हम लोगों का बकाया भुगतान नहीं होगा खदान बंद किया जाएगा। कंपनी के अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि उच्च अपने अधिकारी से बातचीत करने के बाद 30 अप्रैल आप लोगों को बता दिया जाएगा कि कब भुगतान किया जाएगा। मौके पर आलू बड़ा ग्राम के ग्रामीण और डीबीएल कॉल कंपनी के अधिकारी मौजूद थे।

फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। श्री सत्य साईं सेवा संगठन पाकुड़ के द्वारा आराधना महोत्सव 2023 के शुभ अवसर पर रविवार को गोद लिया गया। ग्राम हिरणपुर और हाथकाटी में शीतल जल सेवा का व्यवस्था किया गया। जबकि डॉ ब्रिदावन साहा द्वारा फ्री मेडिकल कैंप में 75 रोगी को स्प्रेम निशुल्क सेवा किये, साथ ही सभी को फूड पैक्ड एवं वॉटर बोतल दिया गया। वहीं शाम को प्रखंड के मोहनपुर मे समिति के द्वारा मुफ्त मेडिकल कैम्प में 48 रोगी को मुफ्त दवा दिया गया,
जबकि बाल विकास बच्चों द्वारा मंदिर की सफाई की गई, ग्रामों में फूड पैकेट का वितरण किया गया साथ ही शीतल जल सेवा किया का व्यवस्था किया गया।
सभी समिति के साईं भक्तों द्वारा स्पेशल भजन कर मंगल आरती किया गया, उपस्थित भक्तों को डॉ देवकांत ठाकुर द्वारा आराधना महोत्शव एवं सत्य साई बाबा के द्वारा अध्यात्मिक, शैक्षणिक, सेवा कार्य पर चर्चा की गई , तथा सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्य को सफल बनाने में पाकुड़ समिति के कन्वीनर उत्तम कुमार सोरेन दास, उत्तम भगत, रवि ठाकुर, सीता कुमारी, विभा पांडे, परिमल चक्रवर्ती, मनोज घोष, जोयोंति चौबे, रूपचंद मेहरा उपस्थित थे। सुभाष भगत, कन्वीनर सत्य साई सेवा समिति मोहनपुर, जबकि पाकुड़ साई बाबा मन्दिर बैंक कॉलोनी में भी मुफ्त मेडिकल कैंप का अयोजन किया गया ।जिसमें 70 रोगियों की निशुल्क जांच कर दवा दिया गया।

जिज्ञासा बाल भवन ने मनाया पहला वार्षिकोत्सव

बड़कागांव । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। कोयला खनन परियोजनाओं के अंतर्गत चलाई जा रही जिज्ञासा बाल भवन ने अपना पहला वार्षिकोत्सव सीकरी ऑफिस में धूमधाम से मनाया। पिछले साल 5 फरवरी 2022 को बाल भवन की स्थापना की गई थी। स्थापना के बाद से ही बाल भवन परियोजना के दर्जनों बच्चों को अतिरिक्त सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ यानी को करिकुलर एक्टिविटीज करवा रहा है जिससे बच्चों में संपूर्ण विकास हो सके। पहले वर्ष पूरे होने के मौके पर स्वयं सिद्धा लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती महुआ मजूमदार बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुईं और बच्चों के रंगारंग कार्यक्रम का आनंद लिया। चीफ गेस्ट महुआ मजूमदार के अलावा कार्यक्रम में जागृति महिला संघ एवं जिज्ञासा बाल भवन की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्वलन के बाद माल्यार्पण के साथ हुई जिसके बाद बाल भवन के बाल कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। छोटे छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी बाल कलाकारी का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नृत्य, संगीत और नाटक प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बाल भवन द्वारा साल भर में किए गए कार्यों को भी दर्शाया गया।
चीफ गेस्ट महुआ मजूमदार ने इस मौके पर बच्चों के अभिभावकों से आग्रह करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों की हुनर और उनकी रूचि को पहचाने जिससे वो उस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सके। उन्होंने कहा आज जब इस सभागार में हम बच्चों को इधर-उधर दौड़ते, खेलकूद करते हुए देखते हैं तो बहुत अच्छा लगता है यानी बच्चे कुछ भी करें वह बहुत अच्छे लगते हैं। जिज्ञासा बाल भवन की अध्यक्षा मीनाक्षी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि बाल भवन हम सब को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां हम अपने बचपन को याद कर सकते हैं और उन यादों में खो सकते हैं। उन्होंने कहा की बच्चों के लिए दुनिया भर में महज सात अजूबे नहीं है बल्कि उनके लिए 7 मिलियन से अधिक हैं और बाल भवन के सहारे कोशिश करते हैं कि ये बच्चे इन 7 मिलियन अजूबों में से एक को ढूंढे, अपनी काबिलियत को पहचाने। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महुआ मुजूमदार, जिज्ञासा बाल भवन की अध्यक्षा मीनाक्षी श्रीवास्तव एवं कामेश्वरी के अलावा जिज्ञासा बाल भवन की जनरल सेक्रेटरी दीपिका चौहान भी मौजूद रहीं।

सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फुटबॉल के लिए चयन 24-25 अप्रैल को हजारीबाग में

हज़ारीबाग । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पर्यटन, कला संस्कृति, खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड के अधिनस्थ झारखंड खेल प्राधिकरण, रांची द्वारा नव सृजित स्वीकृत सेंटर फॉर एक्सेलेंस फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र (एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र) हेतु बालक एवं बालिका वर्ग के 16 वर्ष से 22 वर्ष तक के फुटबॉल के लिए योग्य खिलाड़ियों का चयन कर्जन स्टेडियम,हजारीबाग में 24-25 अप्रैल को प्रातः 7:00 बजे से किया जाएगा। आवेदक खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तरीय, आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित खेलों में भागीदारी अथवा मेडलिस्ट हो उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।
अंतिम रूप से चयनित(बालक/बालिका) खिलाड़ियों को राज्य सरकार निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा।
विस्तृत जानकारी के लिए खेल कार्यालय के 9334483968 नम्बर पर संपर्क किया जा सकता है।

कई गांव इन दिनों भीषण जलसंकट के दौर से गुजर रहा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़िया(पाकुड़) । प्रखंड का राजबाड़ी गितिल टोला और राय पाड़ा बिचपहाडी गांव इन दिनों भीषण जलसंकट के दौर से गुजर रहा है। जहां रायपाड़ा बिचपहाडी की आबादी लगभग 200 लोगों की है लेकिन वहां शुद्ध जलापूर्ति हेतु लगा ओवरहेड सोलर पानी टंकी विगत तीन माह से साधारण मरम्मती के अभाव में बंद पड़ा हुआ है वहीं राय टोला में सरकारी चापानल विगत एक वर्ष से खराब पड़ा हुआ है। हालात इतने बदत्तर हैं कि आदमी तो आदमी यहां के पालतू जानवरों के लिये भी एक किलोमीटर दूर स्थित निर्माणाधीन एकलब्य विद्यालय परिसर से माथे पर धोकर पानी लाना पड़ रहा है। इससे भी चिंतनीय स्थिति राजबाड़ी गितिल टोले की है। तेतुलिया पंचायत अंतर्गत आनेवाले इस गांव की पेयजल समस्या आजादी के बाद से लेकर अबतक यथावत है। पूर्व में गांव के लोग गितिल टोला स्थित एक वर्षों पुराने मिट्टी के कूप का पानी पीने को लाचार थे लेकिन इस बार की गर्मी में वो भी सुख चुका है। 300 की आबादी वाले इस गांव में एक भी चापानल चालू हालात में नही हैं। बस एकमात्र ओवेरहैड सोलर टंकी से वर्तमान में पुरे राजबाड़ी गितिल टोला वासी पानी पीने को मजबूर है। गांव की आबादी के अनुरूप नाकाफी है। वहां अक्सर पानी के लिये काफी भीड़ जमा हो जाती है और पहले हम पहले हम के चक्कर मे ग्रामवासियों में आपस मे अक्सर गुत्थमगुत्थी होने की नॉबत आ जाती है।
इस बाबत ग्रामीण भगवती हेम्ब्रम सहित बिचपहाडी रायपाड़ा निवासी ललिता देवी, राजेश राय, महावीर राय, शंकर राय आदि ने बताया कि पानी के लिये इतनी लंबी दूरी तय करने में ग्रामीण महिलावों की स्थिति खराब हो जाती है। जानवर बिना पानी के ही बीमार पड़ रहे हैं। तालाब, कूप, जलकुंड सबकुछ सूख चुका है। हालात बद से बदतर हो चुका है लेकिन सरकारी अधिकारियों को और पेयजल आपूर्ति विभाग के अभियंताओं को इसकी कोई परवाह नही है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर एकलब्य विद्यालय परिसर में पानी उपलब्ध नही होता तो हाहाकार मच सकता था। ग्रामीणों ने पेयजलापूर्ति विभाग के अभियंताओं सहित जिलाधिकारी से राजबाड़ी गितिल टोला एवं बिचपहाडी राय टोला में अविलंब दो दो डीप बोरिंग कर चापानल लगवाने की मांग की है ताकि पानी की वर्तमान गंभीर समस्या से ग्रामीणों को निजात मिल सके। अगर सरकार प्रथम प्राथमिकता के तौर पर यहां पेयजलापूर्ति हेतु डीप बोरिंग नही करवाती है तो आनेवाले समय मे पेयजल की समस्या और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने सरकार से इसपर अविलंब उचित निर्णय लेने की गुहार लगाई है।

वीर बलिदानी बाबू वीर कुंवर सिंह महान स्वतंत्रता सेनानियों की बदौलत आज देश आज़ाद है: रामरंजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की स्मृति में श्री गुरुदेव कोचिंग सेंटर, पाकुड़ के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री सारस्वत स्मृति के अध्यक्ष भागीरथ तिवारी,प्रो. मनोहर कुमार,योगाचार्य संजय शुक्ला,. ई.रमेश सिंह, रतनसेन, प्रवीण सिंह, अरुण सिंह,सुकुमार सिंह, धर्मेन्द्र तिवारी, बिरेन्द्र सिंह, सितेश सिंह, धर्मेन्द्र सिंह,कुन्दन सिंह, रंजय कुमार राय,अजय कुमार , दक्षराज टिवड़ीवाल, उत्तम कुमार भगत, हेमकेश भंडारी,तरुण कुमार साह सहित कोचिंग के सभी छात्र-छात्राओं ने शामिल होकर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस मौके पर भागीरथ तिवारी ने कहा कि 23 अप्रैल, 1858 को अपने गांव जगदीशपुर के किले पर फतह पाई थी और ब्रिटिश झंडे को उतारकर अपना झंडा फहराया था. यही वजह है कि 23 अप्रैल का दिन उनके विजयोत्सव के रूप में मनाया जाता है.उन्होंने जो हिम्मत और साहस का परिचय दिया, वह इतिहास के पन्नों में दर्ज है. उनके अंदर नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी. बाबू वीर कुंवर सिंह ने ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध अद्भुत वीरता और आन बान के साथ लड़ाई लड़ने का काम किया था. गनीमत थी कि युद्ध के समय वीर कुंवर सिंह की उम्र 80 के करीब थी, अगर वह जवान होते तो शायद अंग्रेजों को 1857 में ही भारत छोड़ना पड़ता। इस मौके पर रामरंजन कुमार सिंह ने कहा कि हमें अपना इतिहास सदैव याद रखना चाहिये। इतिहास से सीख लेनी चाहिये और इतिहास गढ़ने की भी कल्पना करनी चाहिये।जब तक सूरज और चन्द्रमा रहेगा, तब तक बाबू वीर कुँवर सिंह की कृति रहेगी। कोचिंग सह विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बाबू वीर कुँवर सिंह की जयन्ती पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया।

हंगामे के बाद लगाया गया नया ट्रांसफार्मर, बस्ती में विधायक को जाने से ग्रामीणों ने रोका

निरसा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। डीवीसी पंचेत कॉलोनी और आसपास के बस्ती में पिछले छह दिनों से बिजली नहीं है। रविवार को पांच घंटे के काफी जद्दोजहद और बांदा बस्ती में ग्रामीणों को समझाने के बाद सीओ (मैजिस्ट्रेट) के उपस्थित में शाम चार बजे नेहरु पार्क में पांच सौ केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। छह माह के अंदर साढ़े सात सौ केवीए का ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया गया। इससे पहले ग्रामीणों से मिलने बांदा बस्ती पहुंची विधायक अपर्णा सेन गुप्ता का कुछ लोगों ने विरोध किया। बस्ती में घुसने से रोक दिया। कहा कि पांच दिनों से हमलोग परेशान हैं और आज ग्रामीणों की याद आयी। इसके बाद वह लौट आई और आईबी में मैजिस्ट्रेट दिवाकर दुबे, प्रोजेक्ट हेड रविरंजन शर्मा, चीफ इंजीनियर (मैथन) ए के झा, सोमेश कुमार, सीएसआर प्रबंधक बी के सिंह, ओपी प्रभारी कुलदीप रोशन बारी के उपस्थित में वार्ता की। सहमति बनी कि तत्काल पांच सौ केवीए का ट्रांसफार्मर लगाकर गांव में बिजली आपूर्ति किया जाए। मरम्मत के बाद साढ़े सात सौ केवीए का ट्रांसफार्मर जल्द लगवाया जाय। मुखिया भैरव मंडल को वार्ता में बुलाया गया। लेकिन उन्होंने आने से इनकार कर दिया। इसके बाद सीओ ने पुलिस बल, सीआईएसएफ जवानों, अतिरिक्त बल के साथ ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए नेहरु पार्क पहुंचे। वहां भी मुखिया मंडल ने आने से साफ इनकार कर दिया। मुखिया के कहने पर सीओ बांदा बस्ती पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि शुक्रवार की रात को आंदोलन के दौरान पुलिस ने महिलाओं के साथ बदसलूकी की। कहा कि डीवीसी द्वारा किए गए केस को वापस लेना होगा। डीवीसी कॉलोनी और गांव में एक साथ बिजली दिया जाए। ग्रामीण एक हजार केवीए ट्रांसफार्मर लगाने और लिखित देने की मांग कर रहे थे। सीओ के आश्वासन के बाद ग्रामीण ट्रांसफार्मर लगवाने को तैयार हुए। देर शाम तक बिजली बहाल होने की संभावना है। बता दें कि पंचेत नेहरु पार्क में लगी ट्रांसफार्मर में आई खराबी के कारण 18 अप्रैल से डीवीसी डैम साइड, बांदा बस्ती और आसपास के गांव में बिजली नहीं है। शुक्रवार की रात को ग्रामीणों ने इंजीनियर पी के राय को रात भर बंधक बना लिया था। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सीओ को मैजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्ति किया। इधर, डीवीसी प्रबंधन ने मुखिया भैरव मंडल सहित अन्य लोगों के खिलाफ पंचेत ओपी में शिकायत दर्ज कराई है।

फुसरो मे मां तारी देवी प्याऊ का हुआ शुभारंभ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

बेरमो। भीषण गर्मी को देखते हुए बेरमो मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मां तारी देवी की स्मृति मे पुराना बीडीओ ऑफिस फुसरो मे अस्थाई प्याऊ का शुभारंभ किया गया। प्याऊ का उद्घाटन मुख्य अतिथि ढोरी महाप्रबंधक मनोज कुमार अग्रवाल और बोकारो जिला सम्मेलन मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर जैन ने फीता काटकर किया। उद्घाटन ने में आए सभी आगंतुक अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। तथा मारवाड़ी समाज द्वारा चलाए जा रहे सभी सामाजिक एवं कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। जीएम एम के अग्रवाल ने अपने उदगार में कहा कि मारवाड़ी समाज सामाजिक कार्य में सदैव अग्रणी रही है। उन्होंने कहा कि तपती गर्मी में राहगीरों को ठंडा पानी एवं चना मिलना बहुत ही राहत भरा जनसेवा का कार्य है। नर सेवा नारायण सेवा के समान है, तथा मानव सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं, समिति लगातार बहुत ही प्रशंसनीय कार्य कर रही है। कहा कि समिति निरंतर सामाजिक कार्यों को आगे भी बढ़ाते रहेगे।
बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा धार्मिक स्थलों की स्वच्छता को लेकर प्रकाशित पोस्टर का विमोचन कांग्रेस पार्टी के वरीय नेता गिरिजाशंकर पांडेय तथा सीसीएल ढोरी के महाप्रबंधक मनोज कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को सम्मेलन की पत्रिका संकल्प उपहार में दी गई।
इस अवसर पर सम्मेलन के जिला उपाध्यक्ष सुरेश बंशल,आनंद अग्रवाल,अग्रसेन भवन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष नेमीचंद गोयल, सुशील अग्रवाल, अशोक राठी, सुशील पेडीवाल, बिनोद अग्रवाल,छीतरमल बंशल,श्यामलाल गोयल, सम्मेलन के बेरमो अध्यक्ष कृष्ण कुमार चांडक, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय संगठन मंत्री रोहित मित्तल, दीपक गर्ग, चिरंजी अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, भरत अग्रवाल,पवन अग्रवाल,पंकज बंसल, सुभाष केजरीवाल, बंटी मित्तल,चिंटू राईका, सुशांत राईका, विजय अग्रवाल,ललन रवानी,रविंद्र कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया और श्री सूर्यनारायण मंदिर स्थापना दिवस पर किया गया पूजा व आरती

टाटीझरिया (हजारीबाग) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अक्षय तृतीया और खंभवा सूर्य मंदिर स्थापना दिवस पूजा -पाठ किया गया। छः वर्ष पूर्व अक्षय तृतीया के दिन ही खंभवा में भगवान भास्कर की प्रतिमा का प्राण -प्रतिष्ठा किया गया था। इस मौके पर सूर्य मंदिर में ब्रजनंदन पाठक द्वारा यजमान अरुण सिंह को पूजा करवाया गया। दूसरी ओर अक्षय तृतीया के मौके पर पूजा भी किया गया। इस मौके पर ब्रजकिशोर सिंह, अतुल आनंद, उदेश्वर सिंह, तपेश्वर सिंह, रविंद्र सिंह, विशाल पाठक,अंकित आनंद, किशुन ठाकुर, कैलाश सिंह अमरेश सिंह ,अमृत साव, पार्वती देवी,मंगला देवी, सुष्मिता देवी, अपराजिता देवी,बबन मंडल,ज्वाला प्रताप सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सीमेंट विक्रेताओं ने थाईलैंड में टूर का आनंद लिया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । झारखंड राज्य के इकलौता एसीसी सीमेंट के दुमका जिले के पुराने डीलर अर्जुन दास बैजनाथ के प्रोपराइटर अजीत कुमार दारू का है ।जो 22 एसीसी सीमेंट विक्रेता को अपने साथ विदेश टूर लेकर गए हैं। थाईलैंड के बैंकॉक पटाया शहर मैं बैंकाक एयरपोर्ट से स्वर्ण भूमि होटल में सभी रुके थे । उनके बाद hotal होटल पटाया रीच पार्क और कई नामी शहर में सभी को टूर का आनंद कराया गया। ये सभी 25 अप्रैल को दुमका आएंगे । सभी ने टूर का खूब आनंद लिया।

गौ कर्ण और धुंधकारी की जन्म कथा पर प्रकाश डाला

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़िया(पाकुड़) । प्रखंड अंतर्गत फुलझिंझरी ग्राम में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम रोज शनिवार रात्रि को राम किंकर जी महाराज ने गौ कर्ण और धुंधकारी की जन्म कथा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में भारत की तुंगभद्रा नदी के तट पर एक नगर में वेदों में पारंगत आत्मदेव नामक एक व्यक्ति रहता था। उसकी पत्नी का नाम धुन्धुली था। धुन्धुली बहुत ही सुन्दर लेकिन स्वभाव से क्रूर और झगडालू थी। वह अपनी पत्नी से तो दुखी था ही साथ ही साथ उसे कोई संतान नहीं था। इसलिए वह चिंता में रहता था। एक दिन उसने बड़े दुखी मन से अपने प्राण त्यागने के लिए वह वन चला गया। वन में एक तालाब में वह कूदने ही वाला था कि तभी एक संन्यासी ने उसे देखकर उससे पूछा, कहो वीप्रवण तुम्हे ऐसी कौन-सी भारी चिंता है जिसके कारण तुम प्राण त्याग रहे हो? आत्मदेव ने कहा, ऋषिवर मैं संतान के लिए इतना दुखी हो गया हूं संतानहीन जीवन को धिक्कार है और मैंने जिस गाय को पाल रखा है वह भी बांझ है। यह तो ठीक है मैं जो पेड़ लगता हूं उस पर भी फल-फूल नहीं लगते हैं। इन सब बातों से में दुखी हो चुका है। ऐसा कहकर वह व्यक्ति रोने लगता है। वह संत उसकी बात सुनकर अपनी झोली से फल निकालकर कहता है कि अच्छा ठीक है। तुम यह फल लो और इसे अपनी पत्नी को खिला देना, इससे उसके एक पुत्र होगा।
आत्मदेव वह फल लाकर अपनी पत्नी को दे देता है लेकिन उसकी पत्नी आत्मदेव से कई तरह के तर्क और कुतर्क करती है। आत्मदेव के कहने पर वह फल तो रख लेती है लेकिन खाती नहीं है।एक दिन उसकी बहन उसके घर आती है बहन उससे कहती है कि- मेरे पेट में बच्चा है, प्रसव होने पर वह बालक मैं तुम्हे दे दूंगी, तब तक तुम गर्भावती के समान घर में रहो। मैं कह दूंगी, मेरा बच्चा मर गया और तू ये फल गाय को खिला दे। आत्मदेव की पत्नी अपनी बहन की बात मानकर उस फल को गाय को खिला देती है। समय व्यतीत होने पर उसकी बहन ने एक बच्चा को जन्म दिया और लाकर धुन्धुली को दे दिया। पुत्र हुआ है यह सुनकर आत्मदेव को बड़ा आनंद हुआ। धुन्धुली ने अपने बच्चे का नाम धुंधकारी रखा। इसके कुछ ही दिन बाद फल खिलाए गए गाय ने एक बच्चा जन्म दिया जो कि मनुष्याकार है, लेकिन उसके कान गाय के समान थे। उस बच्चे को आत्मदीव उठाकर घर में ले जाता है। उसका नाम वह गोकर्ण रखता है। अब उसके दो पुत्र हो जाते हैं। एक धुंधकारी और दूसरा गोकर्ण।गोकर्ण बड़ा होकर विद्वान पंडित और ज्ञानी निकलता है जबकि धुंधकारी दुष्ट, नशेड़ी और क्रोधी, चोर, व्याभिचारी, अस्त्र-शस्त्र धारण करने वाला, माता पिता को सताने वाला निकलता है। वह माता पिता की सारी संपत्ति नष्ट कर देता है।एक दिन वह पिता को मार मार कर घर से बहार निकाल देता है। पिता रोने लगता है और कहता है कि मेरी पत्नी का बांझ रहना ही अच्छा था। तभी वहां गोकर्ण आ जाता है। एच लगता है तो वह कुएं में कुंदकर आत्महत्या कर लेती है।

आपके कर्म ही आपके जीवन का रास्ता तय करते है,इसलिए हमेशा सत्कर्म करने का प्रयास करें : महात्मा विलक्षणानंद

आज युवाओं में मां-बाप प्रति सद्भावना एवं ईश्वर के प्रति प्रेम का रूप बदल रहा है,मां-बाप ही इस जगत के जीते जागते साक्षात भगवान है : साध्वी देवहूति बाई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड क्षेत्र के लगला पंचायत अंतर्गत मेघुवा गांव में शनिवार की रात्रि में एक दिवसीय सद्भावना संत सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आयोजन के दौरान मानव उत्थान सेवा समिति नोनीहाट के चंपातरी आश्रम से आए महात्मा विलक्षणानंद, महात्मा चंद्र केशवानंद,साध्वी भद्रा बाई,साध्वी देवहूति बाई के द्वारा अमृतमय भजन कीर्तन व प्रवचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित भगवत भक्तों को संबोधित करते हुए साध्वी भद्रा बाई ने कहा कि जर्रे जर्रे में भगवान का वास है,जिसे उन्होंने भजन के माध्यम से भी समझाने का प्रयास किया कि कण-कण में ईश्वर का वास है इसे जाने और अपने जीवन में उतारें। कहा कि जिनके जीवन में सत्संग है उनके जीवन में आनंद ही आनंद है। बताया कि महापुरुषों के बताए हुए मार्ग पर चलने का प्रयास करें जिससे आपके जीवन में शांति आए जिससे आप आनंददाई जीवन जी सकें। कार्यक्रम के दौरान महात्मा विलक्षणानंद ने भगवत भक्तों को समझाने का प्रयास किया कि आपके कर्म ही आपके जीवन का रास्ता तय करते है इसलिए हमेशा सत्कर्म करने का प्रयास करें। कहा आपकी भावना में ही आपका सुख दुख छुपा हुआ है। आप अपने मन को सद्भावना की ओर ले जाने का प्रयास करें,जिससे जीवन में आने वाले दुखदाई कष्टों से आप दूर रह सके। इस दौरान ते-रे द्वार खड़ा भगवान भगत भर दे रे झोली भजन के माध्यम से समझाने का प्रयास किया कि आपके दरवाजे में आए,कोई भी दीन दुःखी भूखे लौट कर ना जाए, ऐसी स्थिति में मानव सेवा की प्रयास करें,मानव ही ईश्वर का रूप है इसलिए सद्भावना पूर्ण विचार से मानव की सेवा करें। वहीं साध्वी देवहूति बाई ने अपने प्रवचन के दौरान समझाने का प्रयास किया कि मां-बाप ही इस जगत के जीते जागते साक्षात भगवान है इसे अपने अंदर झांकने का प्रयास करें, जीवन में आनंद आएगा। कहा कि आज के बदलते समय में युवाओं में मां-बाप प्रति सद्भावना एवं ईश्वर के प्रति प्रेम का रूप बदल रहा है, जिससे घर परिवार में एक दूसरे से लगाव घट रहा है। कहा कि अपने अंदर सद्भावना जगाएं सत्संग में जाएं सत्संग में ही जीवन का सार तत्व छुपा हुआ है। इसे अपने जीवन में आत्मसात करें और जीवन का कल्याण करें।

महात्मा चंद्र केशवानंद जी महाराज ने संघर्ष को लेकर कहा कि संघर्ष ही जीवन है और जीवन की सच्चाई यही है, इसलिए आप जिस भी रास्ते में चल कर जीवन गुजारते हैं वहां संघर्ष जारी रखें। कहा जिस प्रक-ार सोना आग में संघर्ष कर अपना महत्व बढ़ाता है, इससे हम सबको सीख लेने की जरूरत है। जब तक संघर्ष नहीं होगा तब तक कामयाबी नहीं मिल सकती। कहा कि आज जिसने भी कामयाबी हासिल की है उनके पीछे संघर्ष छुपा हुआ है,इसे जाने। जिस प्रकार देश के रक्षक वीर सपूत संघर्ष करते हैं तो हम यहां चैन की नींद सो पाते हैं ठीक उसी तरह अपने माता-पिता के संघर्ष से ही आपका हर सुख चैन मिल पाया है। इसलिए उनके संघर्ष को भूले नहीं बल्कि आदर व सम्मान करें। कहा कि आप की भूमिका ही जिम्मेदारी तय करती है इसलिए आप हमेशा जीवन में अधिक से अधिक जिम्मेवारी लेने का प्रयास करें, जिससे घर परिवार एवं समाज में अपने साथ-साथ अपने माता-पिता कुल परिवार का नाम रोशन कर सकें। जिससे आप समाज के लिए पूज्यनीय बन सकें। कहा कि आज जिनकी भी पूजा होती है, उनके जीवन के पीछे कहीं ना कहीं संघर्ष छुपा हुआ है उनका संघर्ष ही मुकाम तक उन्हें पहुंचाया है। उनकी जीवनी अध्ययन करें और जीवन में उतारे, जिससे आप कामयाब हो सके।

कार्यक्रम में मेघुवा गांव के धीरेंद्र दास,संतोष दास,राम कुमार दास, सिकंदर दास,डॉ दास,जियनधारी दास,सुखदेव दास,परमेश्वर दास, विजय लायक सहित अन्य ग्रामीणों ने अहम भूमिका निभाई।

अंग्रेजी हस्तलेखन प्रतियोगिता में रिया, राजनन्दनी व मोनिका अव्वल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के युग्म बैनर तले अंग्रेजी भाषा दिवस के अवसर पर हस्तलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। देवघर जिला से ग्रुप सी में सन रेज़ हाई स्कूल, पालोजोरी की रिया साह को प्रथम, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय की राजनन्दनी कुमारी, वर्षा कुमारी व काजल कुमारी को क्रमशः द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ जबकि देव वैली हाई स्कूल की सुहानी कुमारी को पंचम स्थान मिला। ग्रुप डी में देवघर महाविद्यालय की मोनिका संतोषी को प्रथम, सतसंग कॉलेज की सुलेखा चौधरी को द्वितीय जबकि रूपक कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। यह दिवस विलियम शेक्सपीयर की जयंती व पुण्यतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। मौके पर विवेकानंद संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- विलियम शेक्स्पीयर अंग्रेज़ी के कवि, काव्यात्मकता के विद्वान नाटककार तथा अभिनेता थे। उनके नाटकों का लगभग सभी प्रमुख भाषाओं में अनुवाद हुआ है। उनका जन्म 23 अप्रैल, 1564 की एवं मृत्यु 23 अप्रैल, 1616 को हुई थी। कुछ लोगों का कहना है उनका जन्म 26 अप्रैल को हुआ था। लगभग 20 वर्षों के साहित्यिक जीवन में शेक्सपियर की सर्जनात्मक प्रतिभा निरंतर विकसित होती गई। सामान्य रूप से इस विकासक्रम में चार विभिन्न अवस्थाएँ दिखाई देती है। प्रारंभिक अवस्था 1595 में समाप्त हुई। इस काल की प्रायः सभी रचनाएँ प्रयोगात्मक है। शेक्सपियर अभी तक अपना मार्ग निश्चित नहीं कर पाए थे, अतएव विभिन्न प्रचलित रचनाप्रणालियों को क्रम से कार्यान्वित करके अपना रचनाविधान सुस्थिर कर रहे थे, प्राचीन सुखांत नाटकों की प्रहसनात्मक शैली में उन्होंने 'दी कामेडी ऑव एरर्स' और 'दी टेमिंग ऑफ दी सू' की रचना की। तदुपरांत 'लव्स लेबर्स लॉस्ट' में इन्होंने लिली के दरबारी सुखांत नाटकों की परिपाटी अपनाई। इसमें राजदरबार का वातावरण उपस्थित किया गया है जो चतुर पात्रों के रोचक वार्तालाप से परिपूर्ण है। 'दी टू जेंटिलमेन ऑव वेरोना' में ग्रीन के स्वच्छंदतावादी सुखांत नाटकों का अनुकरण किया गया है। दुःखांत नाटक भी अनुकरणात्मक हैं। 'रिचर्ड तृतीय' में मालों का तथा 'टाइटस एंड्रानिकस' में किड का अनुकरण किया गया है किंतु 'रोमियो ऐंड जुलिएट' में मौलिकता का अंश अपेक्षाकृत अधिक है। इसी काल में लिखी हुई दोनों प्रसिद्ध कविताएँ 'दी रेप आ० लुक्रीस' और 'वीनस ऐंड एडोनिस' पर तत्कालीन इटालियन प्रेमकाव्य की छाप है।

झारखंड लोकल बॉडीज इम्पलॉईज फेडरेशन की बैठक

मांगे नहीं मानी गई तो होगी आर पार की लड़ाई : संजय मंडल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। झारखंड लोकल बॉडीज इंप्लाइज फेडरेशन जिला अध्यक्ष संजय मंडल की अध्यक्षता में निगम डिपो परिसर में एक अहम बैठक किया गया।बैठक में 1अप्रैल 23 से मजदूरी बढ़ाने पर चर्चा की गई जो राज्य सरकार के निर्देशानुसार बढ़ाया गया है।वही इपीएफ राशि बकाया है 14 महीने से जो अभी तक जमा नहीं किया गया है साथ ही अस्थाई कर्मियों का भी पीए×फ का पैसा जमा नहीं हो पाया है,जिससे कर्मचारियों में आक्रोश की भावना बढ़ रही है।साथ ही कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि जल्द ही अगर पीएफ और इपीएफ राशि जमा नहीं कराया गया तो आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे।वही श्री संजय मंडल ने बताया कि पिछले वर्ष राज्य में अनिश्चितकालीन हड़ताल हुआ था जिसमें राज्य सरकार के द्वारा 2 महीने का समय लेकर,दैनिक कर्मियों को नियमित करने का लिखित समझौता भी किया था,बावजूद आज तक दैनिक कर्मियों पर सरकार की गंभीरता नहीं दिखा रही है जिससे कर्मचारियों में राज्य सरकार के प्रति काफी आक्रोश है।जिसके कारण कभी भी फिर कर्मचारी राज्य सरकार के विरुद्ध आंदोलन का रास्ता अपना सकता है।श्री मंडल ने कहा है 10 लाख बीमा योजना राज्य सरकार के द्वा-रा अभी तक लागू नहीं किया गया है,जिसे 2 महीने के अंदर लागू करने की बात कही गयी थी।स-ाफाई कर्मियों के प्रति राज्य सरकार काफी उदासीन है,महामारी जैसे समय में भी सफाई कर्मियों ने जान पर खेलकर शहर को साफ स्वच्छ बनाने का काम किया,आज वहीं सफाई कर्मी अपने हक अधिकार के लिए मजबूर है सरकार अगर जल्द ही दैनिक कर्मियों को नियमित करने पर विचार नहीं करेगा तो फेडरेशन फिर एक बार राज्य सरकार के विरुद्ध आर पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान कर सकता है।बैठक में मुख्यरूप से उपाध्यक्ष बिरजू राम, सुनील राम,सूरज दयाल चंद्रवंशी,प्रदीप राम, बिभीषन पंडित,पप्पू मेहतर,शेखर राम, लखन हरिजन, मीरा देवी,सुमित झा सहित सैकड़ों सफाई कर्मी उपस्थित थे।

गहराया जल संकट, बुंद बुंद पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

ईचागढ़ । सरायकेला खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में भीषण गर्मी से जहां लोग परेशान हैं, वहीं बढ़ते गर्मी में गांवों में जलसंकट गहराने लगी है। ग्रामीण क्षेत्र में भी लोगों को बुंद बुंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। जी हां आपको बता दूं कि 4-5 वर्ष पूर्व जल संकट से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए झारखंड सरकार द्वारा निर निर्मल परियोजना के तहत दर्जनों जल मिनारों का निर्माण कराया गया,मगर लगभग जलमिनारे पानी बीन खुद प्यासे हैं और जल मिनारें एक शोभा का बस्तु बनकर रह गया है। आलम ये है कि गांव में महिलाओं को खेतों में बने कुएं के दुषीत पानी के लिए भी घंटों लाइन लगाना पड़ रहा है,तब जाकर पानी मिल रहा है। ऐसे ही एक जल संकट का नजारा सोड़ो गांव में देखने को मिला। गांव से बाहर बने एक सिंचाई कुआं में सुबह से रात तक एक घड़ा पानी के लिए लाइन लगाना पड़ता है। कुआं की चारों ओर से महिलाएं बाल्टी पर रस्सी के सहारे पानी भरकर खींच कर उठाती है। कुआं में न घीरनी लगा हुआ है और न ही पानी भरने का सुविधा। सोड़ो गांव के आधे से अधिक आबादी इस कुआं से ही गर्मी के दिनों में प्यास बुझाते हैं। बीन पानी कराह रही जनता और जनता द्वारा चुनी गई गांव की सरकार भी चुप्पी साधे हुए हैं। सोड़ो गांव में ही जिला परिषद व मुखिया भी है ,फीर भी ग्रामीणों को एक एक बुंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। एक गांव का ही बात नहीं पुरे प्रखंड क्षेत्र में जल मिनारें सफेद हांथी बनकर रह गया है,सुधी लेने वाले कोई नह-ीं। वहीं गांव के रती गोप व सितु के पूर्व मुखिया पंचानन पातर ने बताया कि यहां पेय जल का घोर अभाव है, जिससे इस कुंए का पानी मजबुरी में पीना पड़ता है। बताया कि बहुत सारे गांवों में जलमिनारे तो बने हैं,मगर सब बेकार है, सुध लेने वाले कोई नहीं है। जिम्मेदार अपने जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। उन्होंने गांव में सोलर चालीत जलमिनार व चापाकल लगाने का मांग किया है।

संक्षिप्त समाचार

वीर कुंवर सिंह की जयंती मनायी गयी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका जिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष महेश राम चंद्रवंशी के नेतृत्व में अमर शहीद वीर कुंवर सिंह की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिला अध्यक्ष महेश राम चंद्रवंशी ने कहा कि उनमें अपूर्व साहस, बल और पराक्रम था। उन्होंने देश को पराधीनता से मुक्त कराने के लिए दृढ संकल्प के साथ संघर्ष किया। मौके पर जिला अध्यक्ष महेश राम चंद्रवंशी, मनोज अम्बष्ट, शचामल किशोर सिंह, मो. टिंकू आदि मौजूद थे।

कोविड 19, टीबी एवं एनीमिया को् लेकर किया जागरूक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत लगला पंचायत के बैसा गांव सहित अन्य गांवों में सिनी संस्था की ओर से रविवार को कोविड प्रतिरोध समुदाय परियोजना के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिनी संस्था के वरीय अधिकारी चैतन्य चांद ने बताया कि लगला पंचायत के बैसा सिरसा एवं सरसाबाद के लकड़ा पहाड़ी हटिया आदि जगहों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कॉविड 19,टीबी एवं एनीमिया को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

इस दौरान कम्युनिटी सहायता केंद्र के सदस्य ग्राम प्रधान नकुल राय, आंगनवाड़ी सेविका जीमोस्टीन टुडु, सहिया रीनु सोरेन, वार्ड सदस्य होपनी सोरेन,सहित संस्था के कर्मी मौजूद थे।

अनियंत्रित होकर गेहूं लदा ट्रक पलटा

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। डुमरी थाना क्षेत्र के सिमराडीह मोड़ के पास बीती रात गेहूं लदा ट्रक के पलटने से सड़क पर गेहूं बिखर गया और ट्रक चालक भी चोटिल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क पर बिखरे गेहूं को एक जगह पर जमा करवाया और बाद में ट्रक मालिक ने दूसरे ट्रक के माध्यम से गेहूं को गंतव्य की ओर भेज दिया।

हालाकि पुलिस के मौके पर पहुंच जाने के कारण किसी ने गेहूं को छुआ तक नही। लेकिन ट्रक के पलटने के कारण कई बोरी गेहूं सड़क पर बिखर कर नष्ट हो गए।बताया जाता है कि बीती देर रात डेहरी निवासी ट्रक चालक अरविंद कुमार बिकानेर से गेहूं लोड कर गोबिंदपुर ले जा रहा था। इसी क्रम में उक्त स्थान के समीप एक कार ने ट्रक चालक को चकमा दे दिया।जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक के पलटने से ट्रक में लोड गेहूं सड़क पर बिखर गया। ट्रक के पलटने से ट्रक चालक अरविंद कुमार मामूली रूप से जख्मी हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए डुमरी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया।जहां उसका उपचार किया गया।

पूरे भक्ति भाव से संपन्न हुई सूर्याहू पर्व

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। फतेहपुर । प्रखंड क्षेत्र के कांशीटांड़ गांव में आयोजित तीन दिवसीय सूर्याहू पर्व रविवार को पूरे विधि-विधान व भक्ति भाव से संपन्न हुआ! मालूम हो कि शुक्रवार को नेम निष्ठा के साथ संजोत कर पूजा की शुरुआत की गई एवं शनिवार को उपवास के साथ रात्रि में हबीस महाप्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है! महापर्व के अंतिम दिन आंगन में विधिवत रूप से भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की गई! इस दौरान उदयीमान सूर्य देवता को अर्घ्य समर्पित किया गया! पंडित ने सूर्य देवता का विधिवत पूजन किया और उपस्थित व्रतियों व उपासकों को अर्घ्य कार्यक्रम संपन्न कराया गया! अंत में बकरे की बलि दी गई! पूजन के दौरान कई लोगों ने भगवान भास्कर को साक्षी मानकर विभिन्न प्रकार के मन्नतों की कामना की! लोगों ने पंडित के माध्यम से संकल्प लेकर अपने कार्य सिद्धि की भी कामना की! वही कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया! इस मौके काफी संख्या में श्रद्धालु जन शामिल हुए!

भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की केंद्र सरकार से मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के पूर्व प्रवक्ता अजय कुमार ने भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग केंद्र सरकार से की है।श्री कुमार ने कहा कि सीताकांत महापात्र समिति की रिपोर्ट पेश किए जाने के 12 साल गुजरने और संसद में आश्वासन के बावजूद भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के बारे में अभी तक कोई फैसला नहीं किया जा सका है। श्री कुमार ने कहा कि भारत के पूर्वांचल, झारखंड एवं दिल्ली सहित नेपाल, मॉरीशस, श्रीलंका, फिजी, थाईलैंड, सूरीनाम, गयाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों में बोली जाने वाली इस समृद्ध भाषा को अब तक आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया जाना निश्चित रूप से दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही तथा साथ ही इस भाषा के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार भी।

ब्राह्मण बालकों को कराया गया दुर्गा सप्तशती पाठ का अभ्यास

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मधुपुर। रविवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर राम मंदिर के प्रांगण में ब्राम्हण सत्संग जागृति के द्वारा अंतर्गत आचार्य बलदेव पांडे द्वारा ब्राह्मण बालकों को दुर्गा सप्तशती पाठ का अभ्यास कराया गया। इस अभ्यास सत्र में मधुपुर बूढ़ेय, जलैया , बरगुनिया , दुलीडीह आदि गांव के ब्राह्मण बालक उपस्थित हुए।बताते चलें कि गत चार रविवार से यह कार्यक्रम अनवरत चल रहा है।

जेएमएम सदस्यता अभियान को गति देनें के लिए वार्डों में उतरे नगर कमिटी सदस्य

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा सदस्यता अभियान को गति देनें के लिए नगर कमिटी भी कमर कसकर उतर गया है।इसी क्रम में महानगर सदस्यता अभियान का कार्यक्रम वार्ड 35/34 के दुर्गापुर मुहल्ले में एवं वार्ड 17 के कृष्णापुरी मुहल्ला में आयोजित किया गया।इस दौरान मौके पर महानगर कमिटी के सभी सदस्य सहित केंद्रीय समिति सदस्य भी मौके पर मौजूद थे।सदस्यता अभियान को लेकर लगातार जिला उपाध्यक्ष सह सदस्यता प्रभारी सरोज कु सिंह पार्टी के सभी विंग के सदस्यों को निर्देश जारी करते रहते हैं और अभियान को गति मिले इसको लेकर गंभीर भी है।वहीं श्री सिंह ने कहा कि जेएमएम अब सि×र्फ ग्रामीण क्षेत्र की पार्टी नहीं अपितु देवघर शहर में भी हमारा कूनवा बढ़ रहा है और लोग पार्टी से जुड़ते जा रहें हैं।हेमंत सोरेन के नेतृत्व में लगातार जनहित के कार्य किए जा रहें हैं।जेएमएम राज्य के अंतिम पायदान में बैठे हुए लोगों तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है।यह सदस्यता अभियान सि×र्फ एक अभियान नहीं अपितु एक उत्सव है और हर घर झंडा हर घर सदस्य हमारा एम्बिशन, जिसे धरातल पर उतारने के लिये जिला कमिटी सहित नगर कमिटी के सदस्य अपना योगदान दे रहें हैं।

पानी को लेकर दर बदर भटकते ग्रामीण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पालोजोरी। भीषण गर्मी व पानी की किल्लत को देखते हुए जहां एक तरफ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा पनशाला प्याऊ जैसे कार्य करते हुए नज़र आ रहे हैं। वहीं इन दिनों पंचायत के विभिन्न गांवों में दर्जनों चापाकल बेकार पड़े हुए देखने को मिल रहा है। जबकि लोगों का कहना है की अप्रैल माह में ही लोगों की परेशानी इस कदर बढ़ रही है। मानो की मई जून की माह अभी आने में अभी देर है। फिर भी इस भीषण गर्मी में लोग जीने को विवश हैं। साथ ही लोगों का कहना है की गर्मी की मार के साथ साथ पानी की भी समस्या काफी विकट स्थिति में देखने को मिल रहा है। वहीं इस मौके पर समाजसेवी मनोज मनोरंजन कुमार साह ने कहा की हमने पेयजलापूर्ति विभाग को कई बार लिखित व मौखिक सूचना दिए फिर भी इस तरह की समस्या की समाधान नहीं हो पाई है। वहीं उन्होंने कहा की विभाग की ओर से इस तरह की लापरवाही काफी दयनीय मानी जाती है।

जागृति मंच ने राहगीरों को पिलाया शरबत

देवघर।झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर रबिवार को नेताजी सुभाष जागृति मंच द्वारा झौसागढ़ी देवघर दुमका रोड बाजार समिति के निकट शरबत वितरण किया गया!इस कार्यक्रम का उद्घाटन मंच के संरक्षक संजीव जजबाड़े ने राहगीरों को अपने हाथों शरबत पिलाकर किया! उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी चिलचिलाती धुप में राहगीरों के बीच हजारों गिलास रसना,नीबू पानी वितरण किया जा रहा है यह सौभाग्य की बात है उन्होंने कहा कि इस जगह पर स्थायी रूप से प्याऊ जल्द ही खोले जाएंगे जो गर्मी भर अनवरत चले! इस कार्यक्रम की अध्यक्षा मंच के अध्यक्ष उदय चक्रबर्ती ने किया एवं संचालन मंच के सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता ने किया!इस अवसर पर संजीव जजवाड़े, उदय चक्रबर्ती,कृष्ण कुमार गुप्ता के अलावे तृणा दत्ता, बिशु राय, संजय जायसवाल,सोनाली घोष,अभिनव,पपाई,कल्पना शंकर,मुख्य रूप से शर्वत राहगीरों को पिलाया!

Caste-Based Census, Development Illusion and Way Ahead

Professor M.C.Behera

Jharkhand dekho/desk :The notion of caste is so ubiquitous in India's political field that it has several ramifications. It is the basis of understanding several concepts, categories, assertions and conflicts in historical, social, economic, political and administrative contexts. Dalit, tribe, untouchability, pure-impure notion, harijan, reservation claims, caste representation, marriage sphere and several others are common idioms having caste at the root. At the same time, caste factor, wherever it is present, is not accepted without reference to its problematic side. In fact, several emerging socio-economic problems of our country are attributed to caste factor. Nevertheless, caste retains its hold to the extent of allowing politicians to manipulate it to their advantage. The topic of caste-based census can be cited as an example. The exercise was undertaken by the British in 1931 before Manmohan Sigh Government reintroduced it in 2011 census under the heading Socio-Economic and Caste Census, 2011. Caste census was published in 2014, but got entangled in political wrangling. The purpose was to identify families below poverty line for government interventions; political parties, however, attached importance on caste census for political gain. The same demand is renewed vigorously with recent advocacy of caste based census by the Congress and supported by Nitish Kumar and several other political parties. Even intellectuals are in two minds on the utility of caste-based census. Interestingly, category based census, with caste as the basis does not end here. Demand for inclusion of transgender as a category is gaining currency. Future will stand witness to demand for inclusion of emerging categories which nobody knows at present. It should be mentioned that socio-economic and caste based census could be used to perpetuate category-based reservation benefits, though only socio-economic census could be used to achieve the same goal without the complexity of caste factor. When more are the categories, greater is the opportunity of manipulation and misleading by politicians and other vested interests.

Questions arise: Is caste-based census beneficial to socio-economically backward people's uplift? Or will it benefit politicians more than the people? What is its strength to fight against casteism? Can there be a more effective means other than caste census to reflect the nature and extent of people's backwardness? Can there be alternative means to remove backwardness by overcoming disadvantages which present reservation policy suffers from?

In the Constitution, castes have been presented in categories: Scheduled Castes, Other Backward Castes under 'Other backward class' and General Castes. In caste-based census, how meaning of 'caste' will be interpreted needs an objective scrutiny. Will it consider individual castes or a generic category like SC, OBC, etc. A generic category, necessarily constructed with unequal socio-economic and cultural groups, will suffer from the same weakness as in existing ones. Similarly, consideration of individual castes carry some empirically constraints; the list will be too long to manage comfortably; and a caste has different names in different states and regions. To overcome the

confusion, name of occupation may be used to designate a caste. But in which language will be a controversy, as language politics is not unknown in our country. The proportion of population of a caste to total population may vary from one state to another. In that case the quota of reservation will differ across the state for the same caste. If quota is fixed on the basis of percentage share of the population at national level, then what will happen in a state with few castes? Reservation benefit is likely to be less than 100!

There are some other complexities. What's about the tribes who use the term jati as identity marker? Will use of the term caste be confined to the colonial time created groups? Then what will happen to such groups who are now designated as STs? What will happen to groups like the Ahom who do not use caste or tribe designation till they were granted ST status? How to tackle the confusion prevailing in the use of denotified, nomadic and semi-nomadic categories? The generic category is Denotified Nomadic and Semi-Nomadic Tribes and the Commission is named after the category. The communities covered by the generic category have fluid identity as several of these are spread across SC, ST and OBC categories. The category therefore is not an exclusive construct of communities in it. It is to be further mentioned that the word 'tribe' is replaced by communities and the category is designated as Denotified Nomadic and Semi-Nomadic Communities; but the name of Commission retains the old nomenclature. In Maharashtra government, a ministry exists in the name of Ministry of Vimukta Jati. Interestingly, the word 'tribe' is more frequently used in different quarters than the word 'community'. In Hindi the designation Vimukta Jati is used; the English rendering of jati is caste, not tribe or community. Obviously, ambiguity in categorisation and use of words in English and Hindi having different connotations could not be taken as a standard tool in caste-based census. Priority demands removal of confusions and setting the ground in order. Unfortunately, political priority is laid on caste based census, but not on the priority of determining a caste without any confusion. It is therefore argued that a caste based census without any ground work will be an occasion of opening a Pandora's Box' of problems.

What can be inferred is that a generic caste category may not have communities at equal levels and individual castes may not have equal quota access across the states. A caste category with communities at different socio-economic levels will be an ideal condition for the growth of inequality within. Growing inequality will further the feeling of casteism. Arguably, demand for caste-based census agrees with the proposition that the demand has political interest at the core than real feelings for the people.

After the murder of Atiq Ahmad, the criminal turned politician and his brother, it is appalling that the Muslim community in several states glorify him and demand martyr status. People also took out a candle march in his support. The saddened part of it is that a few political persons of different communities support the demand. In a nation when some people or communities do not recognise crime of a person (being clearly defined in Indian penal Code and several acts and regulations) as crime, because the criminal belongs to the same community, the fate of the nation is well predicted. Strangely, news agency like BBC is so biased that its reporters compare Atiq as Robinhood and a man with the character of Dr. Jekyll and Mr. Hyde. The BBC along with some newspapers like New Yorks Time, the Guardian reports him as law maker. These agencies are far from the reality because they see an event through the lens of ideological category, political, religious or the like or are paid for such news. Communities are blind to the crime of its members, so also ideologically fundamentalists. When some persons or communities admonish an event happened in a different ideological or community context, they glorify such events within. For them national interest is community or ideology's interest. Such categorical perspectives have several implications. A community stands against the other in one way or other. The sense of mutuality and co-existence turns into violence and hatred. Recent call of boycotting shops of some religious communities in Jagdalpur and reaction of these communities are result of continuous fanning fire of categories after Independence for political gain. Another example is more appalling. Vivek Agnihotri, a film maker, had to shift the event of book-signing of Urban Naxals from Quest Mall to Starmark Book Shop, South City Mall on the ground that the former falls in Muslim dominated area. Violence, killing, stone pelting etc. have become order of the day between categories. When existing categories threaten nation's integrity, how far it is wise to create another category through caste-based census in which political interest seems predominant?

How the notion of caste has been misused by politicians is a common knowledge in India. Political parties shamelessly declare caste affiliation. One silver lining is that rigidity of caste system is in decline in real life through inter-caste marriages, occupations, dropping of titles, etc. Children of parents who are working in different states do not know their castes till they are required to produce caste certificate. Many examples are there where the rigidity of the caste is absent even if they know their castes. The caste system is also fluid in a different context. Within a state people with same surnames belong to different castes. Persons of one state do not know the caste of persons with same surname, and many of them do not show interest to know. Identification of a caste from the naming pattern of South India is beyond the comprehension of almost all common people in other parts. Of course there are casteists, but they have no courage to ask about the caste directly. In work places, except rare individual cases, untouchability on the basis of caste differences is not acute like earlier days. A dalit Hindu does not give importance to the individual caste while asserting dalit identity. In religions like Buddhism, Christianity, Sikhism, Islam, the caste system, as is presented existing in case of Hindus, is absent; and in Hindu society it is in decline.

Under such a changing ambiance, institutionalisation of castes through caste certificate and caste-based census amounts to perpetuating evils of caste system which the Constitution fights against. Always politicians aim their gun in the name of people's interest for their own political gains. The illusion of benefit and the trend of inequality in a category due to the development model create sub-categories. Assertion of categories in recent years such as dalit Christians and dalit Muslims within the respective religious groups which have been claiming egalitarianism is an example. Evidently, nation suffers when category interest is held above national interest. The problem in a category has political and developmental weakness. Unless categories link with national interest neither nation nor the category will achieve development goals. In view of this, caste based-census will prove another means to exploit people's hopes and aspirations in the name of positive discrimination and affirmative action to raise their standard. It is just like shifting the ladder from one place to another with the promise of an alternative easy climb towards goal achievement which is never reached; people simply remain confused but with unending hope of achieving the target.

Then what is alternative to category based development exercise for positive discrimination and affirmative action? As it is argued at different quarters, family based socio-economic census could prove to be a better strategy as caste will be delinked and inequality between castes will not be the cause of accentuating further inequality. Backwardness will be perceived as a national phenomenon beyond any caste lens. It should be kept in mind that no strategy is hundred per cent flawless. Backwardness indicator suggested within the all India category also has its problems, but less complicated than as perceived through various categories. The proposed single category may include various levels of backwardness across families thereby giving the impression of the existence of different categories. Equal treatment may not ensure equal level of capacity building and competitive efficiency. This possibility may be considered on the merit of individual cases rather than linking it to caste or any other category. The exercise will be more productive to develop national spirit and achieve development goals. But the perspective that caste-based census would be one more addition to the problems of categorised understanding of Indian society shall be the first step in this regard. .

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

रात के अंधेरे में कोल डंप से धडल्ले से साईकिल ओर मोटरसाइकिल से निकाला जाता है कोयला

कोलियरी सुरक्षा कर्मियों की मिलीभगत से नही किया जा सकता है इंकार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

चितरा। एस पी माइंस चितरा कोलियरी से कोयला की चोरी परवान पर है। दिन रात चितरा कोलियरी के कोल डंप से साइकिल और मोटरसाइकिल से धड़ल्ले से कोयला ढोया जाता है । गिरजा स्थित कोल डंप में रात होते ही साइकिल और मोटरसाइकिल लोड कर कोयला निकाला जाता है। बताते चलें कि चितरा कोलियरी की सुरक्षा में तीन एजेंसियां लगी हुई है सीआईएसएफ, होमगार्ड और ईसीएल की सुरक्षा एजेंसी। लेकिन चितरा कोलियरी के विभिन्न

जगहों से कोयले की चोरी अनवरत जारी है।इसमें सुरक्षाकर्मियों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा कोयले की चोरी गिरजा कोल डम्प , 7 नम्बर कोल डंप और तीन नंबर से होती है। गिरजा कोल डंप में रात होते ही कोयला चोरों का जमावड़ा लगने लगता है। यहां पर तैनात सुरक्षाकर्मी कोयला चोरों से एक तय रकम लेकर कोयला चोरी करने देते हैं।उपर्युक्त जगह से कोयला निकालकर विशेष चिन्हित जगह पर कोयले को एकत्रित किया जाता है।जहां से साइकिल और मोटरसाइकिल के माध्यम से अन्यत्र भेजा जाता है। हालांकि कभी-कभी इसीएल सिक्योरिटी और सीआईएसएफ संयुक्त छापामारी कर भारी मात्रा में अवैध कोयला जब्त करता है। यहां सबसे बड़ा सवाल उठता है कि इतने सुरक्षा कर्मी के रहते कोयला कोल डंप से बाहर कैसे निकल जाता है। इसकी

एकीकृत गृह जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ के अध्यक्ष ने मंत्री बादल से किया मुलाकात

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। एकीकृत गृह जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिलीप कु राय ने शिक्षकों के अंतर जिला स्थानांतरण की मांग को लेक र एक बार फिर कृषि मंत्री बादल पत्रलेख से देवघर सर्किट हाउस में मुलाकात कर शिक्षक शिक्षिकाओं की समस्याओं से अवगत करवाया। और निवेदन किया कि एक बार अपने नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री महोदय से वार्ता कराने का कष्ट करें।वहीं दिलीप राय ने कहा कि पूरी उम्मीद है मुख्यमंत्री महोदय कुछ बेहतर निर्णय लेंगे।

वहीं मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि इस मामले को लेकर श्री राय कई बार मुलाकात किए हैं और नियमावली में संशोधन भी किया गया है।वहीं नियमावली में जो संशोधित किया

गया है उसमें सामान्य परिस्थियों में शिक्षक शिक्षिकाओं का स्थानांतरण नहीं हो पाएगा।दूसरी बात जो वर्तमान नियमावली के दायरे में आते हैं उनका भी स्थानांतरण नहीं हो पाया है।एक दिव्यांग महिला शिक्षिका अंतर जिला स्थानांतरण की बाट जोहती रही और एक माह पूर्व उनके पति का देहांत हो गया।वहीं श्री राय कहते है आप समझ सकते हैं कि सरकार हमारी मांगों को लेकर कितना गंभीर है।जब माननीय मुख्यमंत्री जी संघर्ष यात्रा के दौरान पाकुड़ पहुंचे थे तो उस समय भी गृह जिला स्थानांतरण के विषय में चर्चा हुई थी और वे बोले थे सरकार बनने दिजिए?श्री बादल ने आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द मुख्यमंत्री महोदय से वार्ता होगी।

बताते चलें कि पिछले सप्ताह श्री राय ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजूल हसन से मुलाकात कर मुख्यमंत्री महोदय से वार्ता कराने का आग्रह कर चुके हैं।

विभाग और अधिकारी लगा रहे मुख्यमंत्री की छवि को बट्टा

पंचायती राज विभाग और ठेकेदार की लापरवाही से शेरला ताल का पानी नही मिला पालतू पशुओं को, पानी को सुखा दिया जनस्वास्थ्य विभाग ने ,जांच हो:बलजीत राणा वरिष्ठ भाजपा नेता

हरियाणा/चंडीगढ़।

पंचायती राज विभाग और ठेकेदार की लापरवाही की वजह से जंगली पशुओं को गांव के पालतू पशुओं को और पीने के पानी का लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सर्दियों में विभाग ने एक महीना इंजन चला कर के तलाव को खाली कर दिया और अब तक उसकी गाद नहीं निकाली क्षेत्र के लोगों में पंचायती विभाग के प्रति भारी रोष। विभागीय लापरवाही की वजह से क्षेत्र में पीने के पानी के त्राहि-त्राहि मच रही है पेयजल विभाग इसी तालाब के पानी से लोगों को सप्लाई देता है

इसका पानी रोकने के लिए एक आरसीसी दीवार लगनी थी वह भी नहीं लगाई।

बड़ी लापरवाही:

नालाघाट से मां समलाशन मन्दिर सड़क की कारपेट लगभग 9 वर्ष से नहीं हो रही है जिया घाट से समलौठा मंदिर के लिए सड़क का कार्य बीजेपी सरकार ने शुरू हुआ लेकिन पिछले 4 वर्षों से बंद पड़ा है लगभग 2 स 3 किलोमीटर सड़क बकाया है सरकार को चाहिए तुरंत सड़क का कार्य पूरा करवाएं और टिक्कर ताल से मीरपुर मंडपा रायेपुर रानी सड़क की घोषणा बीजेपी सरकार में हुई लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ इलाका के लोगों की मांग इन सड़कों का कार्य जल्दी से जल्दी करवाया जाए।

पतंजलि योग शिविर सेक्टर 19 का समापन

हरियाणा/चंडीगढ़।

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार हरिद्वार के निर्देशन में सात दिवसीय योग शिविर सेक्टर 19 पंचकूला में 17 अप्रैल से 23 अप्रैल आज बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ प्रसाद वितरण के उपरांत संपन्न हुआ।

आज का सत्र श्री मुकेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी तथा श्री उमेश मित्तल, युवा जिला प्रभारी ने लिया जिसमें उन्होंने विभिन्न प्रकार से शरीर को स्वस्थ रखने की एक्सरसाइज करवाई तथा प्राणायाम करके बीमारियों को दूर भगाने की विधि बताइ '

इस शिविर मैं श्री नवीन फुलेरा राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान तथा श्री प्रेम अहूजा प्रभारी पंचकूला मंडल ने भागीदारी की और दोनों ने बहुमूल्य जीवन को जीने की पद्धति और शैली से अवगत कराया जिसे सुनकर प्रतिभागी झूम उठे। उन्होंने योगियों से इस योग कक्षा को नियमित रूप में आने का संकल्प भी लिया '

समापन के दूसरे भाग में भाई उमेश जी ने यज्ञ संपूर्ण करवाया तथा बीच-बीच में भगवत गीता और रामायण के संदर्भ में योगियों को मुख्यता बताया की श्री मद भगवत गीता में लिखा है की किसी का हिस्सा खाना पाप है और रामायण के संदर्भ में उन्होंने बताया की छोटे भाई को बड़े भाई की किस प्रकार आज्ञा का पालन करना चाहिए।

शिविर में मुख्यता श्री केके खन्ना, बलवीर , युद्धवीर, सुरेश और महिलाओं में श्रीमती शुभ, प्रिया, शालू , सुनीता, पुष्पा, रजनी और गढ़वाल सभा की महिलाओं ने भाग लिया।

हर रोज योग कक्षा चलाने के साथ-साथ भविष्य में और शिविर लगाने की योगियों ने इच्छा जाहिर की ताकि 19 सेक्टर के निवासियों तथा दूर दूर से आए योगियों का जीवन यापन अच्छे तरीके से लंबी आयु तक हो सके।

आज जिला कालका /पिंजौर स्थान आर्य समाज मंदिर मे चल रहे पॉच दिवसीय योग शिविर के तीसरे दिन शिविर में योग ,प्राणायाम के बारे मे विस्तृत जानकारी दी

हरियाणा/चंडीगढ़। आज जिला कालका /पिंजौर स्थान आर्य समाज मंदिर मे चल रहे पॉच दिवसीय योग शिविर के तीसरे दिन शिविर का संचालन भाई विनोद और भाई नितिन द्वारा किया गया ।

सत्र मे योग ,प्राणायाम के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गई।

इस शिविर मे सुमन मीडीया प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति , आर्य समाज स्कूल के प्रिसीपल कुलदीप शर्मा, खेमचन्द आर्य, गुरनाम संधु,गोयल ,मोहित ,सहगल ,तथा गिरधारीलाल तथा राकेश उपस्थित रहे ।

आज शिविर मे लगभग 95 साधको ने शिविर का लाभ उठाया ।

शिविर के अंत मे सुमन एवम विनोद बजाज द्वारा शांति पाठ किया गया।

संतों ने सदैव बुराइयों के विरूद्ध लड़ाई लड़ी और समाज को दिशा दी:मुख्यमंत्री हरियाणा

हरियाणा/चंडीगढ़।

कैथल के गांव धनौरी में संत धन्ना भगत जयंती समारोह में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि संतों ने सदैव बुराइयों के विरूद्ध लड़ाई लड़ी और समाज को दिशा दी। संतों और महापुरुषों ने लोगों को जागरूक किया और समय पड़ने पर हथियार भी उठाए।

मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने संतों और महापुरुषों के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए योजना बनाई है। सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया जिसकी बदौलत आज लड़का लड़की का अनुपात 1000/923 है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खापों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति जागरूकता में बहुत अहम योगदान दिया है। सरकार का उद्देश्य सर्वसमाज का उत्थान करना है। पिछले तीन महीने में साढ़े बारह लाख नए राशन कार्ड बने हैं। वहीं 29 लाख चिरायु आयुष्मान कार्ड बने हैं।

मनोहर लाल ने संत धन्ना भगत जयंती समारोह में घोषणा करते हुए कहा कि धन्ना भगत के विषय में पुस्तकों में पढ़ाया जाएगा। धनौरी में धन्ना भगत की प्रतिमा लगवाई जाएगी। घन्ना भगत मंदिर में लंगर हॉल बनाया जाएगा और धन्ना भगत तालाब की दीवार बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जींद के हैबतपुर मैडिकल कॉलेज का नाम संत शिरोमणि धन्ना भगत के नाम पर होगा। उन्होंने कहा कि गांव धनौरी में महिला कॉलेज बनाया जाएगा, पीने के पानी की सप्लाई भाखड़ा नहर से होगी। वहीं सीवरेज और पानी की व्यवस्था की जाएगी।

मनोहर लाल ने कहा कि गांव में एक सामुदायिक केंद्र और पुस्तकालय बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गांव के विकास के लिए 7 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने धनौरी की गौशाला के लिए 21 लाख रुपए देने का एलान किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने संत श्री धन्ना भगत जयंती के अवसर पर पत्रकारों की पेंशन को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 11,000 रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब पत्रकारों की पेंशन राशि ऑटोमेशन मोड पर डीए में वार्षिक वृद्धि के अनुपात में बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री आज दो दिवसीय अखिल भारतीय मीडिया मीट कन्फेडरेशन ऑफ न्यूजपेपर एंड न्यूज एजेंसी एम्प्लॉइज ऑर्गेनाइजेशन द्वारा नगर निगम भवन, सेक्टर–35 चण्डीगढ़ में आयोजित समारोह का सम्बोधित कर रहे थे।

श्री कृष्णा गऊ सेवा ग्रुप बतौड़, विश्वास फाउंडेशन पंचकूला व समस्त ग्रामवासी ककराली द्वारा संयुक्त रूप से मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन

हरियाणा/चंडीगढ़।

श्री कृष्णा गऊ सेवा ग्रुप बतौड़, विश्वास फाउंडेशन पंचकूला व समस्त ग्रामवासी ककराली द्वारा संयुक्त रूप से मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर बस स्टैन्ड के पास सरकारी स्कूल गाँव ककराली में लगाया गया। शिविर सुबह 10 बजे शुरू होकर दोपहर 2 बजे तक चला।

विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि शिविर का उद्घाटन गाँव के सरपंच संदीप राणा के करकमलों द्वारा किया गया। ब्लड बैंक ब्लड बैंक सिविल अस्पताल सेक्टर 6 पंचकूला की टीम ने डॉक्टर अमित सम्मी की देखरेख में 43 यूनिट्स रक्त एकत्रित किया। शिविर को सफल बनाने में बहादुर राणा, किरणपाल, राम सिंह, राजेश कुमार, सुरजीत व जॉनी का सहयोग अति सराहनीय रहा।

सरपंच संदीप राणा ने बताया कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है।

किरणपाल व राम सिंह ने बताया की कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरतमंद की मदद हो सकेगी। इस रक्तदान शिविर में आये सभी रक्तदानियों को प्रशंसा पत्र व गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विश्वास फाउंडेशन से ऋषि मोहित विश्वास, सतीश गुप्ता, सत्य देव खुराना, नीरज यादव व अन्य गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे।

पत्रकारों की पैंशन बढ़ाने के लिए जर्नलिस्ट क्लब ने मुख्यमंत्री का आभार जताया

हरियाणा/चंडीगढ़। जर्नलिस्ट क्लब भिवानी ने पत्रकारों की पैंशन बढ़ाए जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री मनोहरलाल का अभार जताया है। क्लब के प्रधान ईश्वर धामु ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की लम्बित मांग को पूरा कर पत्रकारों को सम्मान दिया है। उन्होने कहा कि यह भाजपा सरकार का मीडिया फैंडली होना दर्शाता है। उन्होने कहा कि अब पत्रकारों की सम्मान पैंशन मुख्यमंत्री ने दस हजार रूपए से बढ़ाकर 11 हजार रूपए मासिक करने की घोषणा की है। इतना ही नहीं अब पत्रकारों को बारबार पैंशन बढ़ाए जाने की मांग भी नहीं करनी पड़ेगी। क्योकि अब पैंशन राशि को ऑटोमेशन मोड पर रख दिया है। अब पत्रकारों की पैंशन डीए की वार्षिक वृद्धि के अनुपात में बढ़ेगी। धामु ने डेस्क के पत्रकारों को सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोडने् की प्रक्रिया का भी स्वागत किया। उन्होने कहा कि जर्नलिस्ट क्लब भिवानी मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं को लेकर उनका सम्मान करेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर समय लिया जायेगा।

पंचकूला के पार्क में बम शेल मिला, रेत की बोरियों से ढका गया, लोगों में दहशत, पुलिस के बाद आर्मी पहुंची

हरियाणा/चंडीगढ़।

चंडीगढ़ के नजदीक स्थित हरियाणा के पंचकूला जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब यहां सेक्टर 16 स्थित बुढ़नपुर गांव के एक पार्क में बम शेल पड़ा हुआ दिखाई दिया। खास बात यह है कि, पार्क में इस बम शेल के पास बच्चे खेल रहे थे और कुछ अन्य लोग भी आसपास मौजूद थे। बच्चे तो इस बम शेल के बारे में कुछ नहीं समझ पाए लेकिन जब बम शेल की जानकारी बड़े लोगों को हुई तो वह दहशत में आ गए और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

इधर बम शेल मिलने की सूचना पहुंचते ही पुलिस में भी हड़कंप

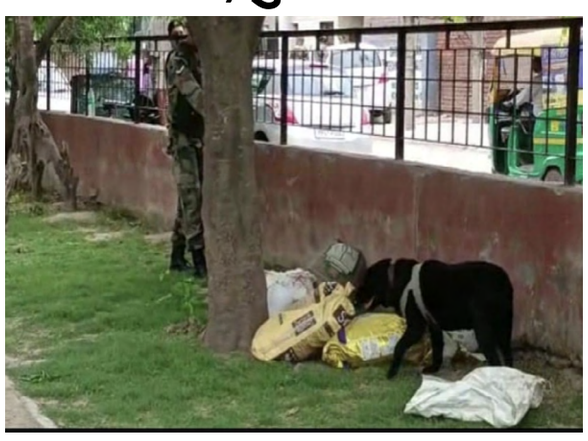

मच गया। स्थानीय पुलिस आनन-फानन में मौके पर पहुंची आसपास के लोगों को पार्क से दूर करते हुए बम शेल की घेराबंदी की। बम शेल को रेत की बोरियों से ढक दिया गया। ताकि अगर यह फटे भी तो ज्यादा नुक्सान न पहुंचा सके।

पुलिस की सूचना पर आर्मी पहुंची: बतादें कि, पार्क में बम शेल मिलने की सूचना पंचकूला पुलिस ने आर्मी को भी दी। जिसके बाद आर्मी की टीम बम निरिधक दस्ते के साथ मौके पर पहुंची और पू-री छानबीन के साथ बम शेल को कब्जे में लिया गया। बताया जा रहा है कि, बम शेल जिंदा है। शेल में बारूद भरा हुआ है। हालांकि, आर्मी शेल की जांच करेगी।

फिलहाल, गनीमत यह है कि बम शेल से कोई हादसा नहीं हुआ और सवाल यह है कि पार्क में बम शेल आया कहां से? अभी पूरी तरह से यह साफ नहीं हो पाया है कि बम पब्लिक प्रॉपर्टी में कहां से आया। हालांकि बम शेल के नाले के पानी के साथ बहकर आने या किसी कबाड़ के माध्यम से पार्क में पहुंचने के कयास लगाए जा रहे हैं।

साइबर क्राइम जागरूकता अभियान के तहत आप कार्यालय में जागरूकता शिविर लगेगा 24 को: रंजीत उप्पल

हरियाणा/चंडीगढ़। साइबर क्राइम जागरूकता अभियान के तहत आप कार्यालय में जागरूकता शिविर लगाया जा रहा ह। आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों , एवं हर आमजन से निवेदन है कि आप इस साइबर क्राइम जागरूकता शिविर में पहुंचे और सुप्रसिद्ध साइबर क्राइम एक्सपर्ट कामाक्षी शर्मा से परामर्श एवं प्रशिक्षण प्राप्त करें। साइबर ठगी, साइबर ब्लैकमेलिंग, आर्थिक धोखाधड़ी, सोशल मीडिया फ्रॉड के पीड़ितों का समस्या का निवारण इस शिविर में किया जाएगा। आप सभी सादर आमंत्रित हैं। स्थान :-आप कार्यालय, आंचल विहार, लोहगढ़, पिंजौर समय :- सुबह 10:00 से 2:00 तक दिनांकः- 24 अप्रैल 2023

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो डाला तो होगी नियमानुसार कड़ी कार्यवाही; लीपुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ रंधावा

हरियाणा/चंडीगढ़। अब सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो अपलोड करना भारी पड़ेगा। जिला पुलिस इन जैसे लोगों पर नजर रख रही है। पुलिस की ओर से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। यह जानकारी दी है पुलिस अधीक्षक अम्बाला श्री जशनदीप सिहँ रंधावा ने।

पुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ रंधावा ने बताया कि हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर जिला पुलिस नजर रखे हुए है जल्द ही ऐसे लोगों की सूची तैयार करने के बाद पुलिस मुकदमा दर्ज करके उसे गिरफ्तार करने जैसी कार्यवाही अमल में लाएगी। इसके साथ ही उसकी सशस्त्र लाईसैन्स को रद्ध करवाने की कार्यवाही भी शुरू होगी।

उन्होंने बताया कि सोशल साईटस पर इन दिनों हथियार के साथ अपनी फोटो पोस्ट करने का प्रचलन बढ़ने लगा है। कुछ लोग तो कई हथियारों के साथ अपनी फोटो शेयर करके दहशत फैलाने का प्रयास करते हैं। यह बिल्कुल ही गैरकानूनी है। सोशल मीडिया पर कई लोग इनके प्रभाव में आकर इन से जुड़ने भी लगते है। सार्वजनिक तौर पर हथियारों का प्रदर्शन करना प्रतिबन्धित है।

उन्होने यह भी बताया कि शिकायत होने पर हथियार के साथ फोटो अपलोड करने वालों को तीन वर्ष तक जेल की सलाखों के पीछे रहना पड़ सकता है। वहीं भारी भरकम जुर्माना भी अदा करना पड़ सकता है। बेशक किसी के पास लाईसैन्सी हथियार हो लेकिन उसका सार्वजनिक प्रदर्शन करना पूरी तरह से गैर कानूनी है। यह असला लाईसैन्स जारी करने के लिए तय शर्तो के उल्लघन एवम असले के दुरूप्रयोग की परिधि में आता है। ऐसे में आमर्ज एक्ट के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज करने का प्रावधान है इसके साथ जिला अधिकारी को पत्र लिखकर ऐसे लोगों का लाईसैन्स रद्ध करने की कार्यवाही भी की जाएगी। कोई भी व्यक्ति गैगस्टर के नाम से फेसबुक पेज बनाता है या नकली पहचान से इन्टरनैट मीडिया साईट बनाता है तो उसके विरूद्ध भी कार्यवाही की जाएगी। सामाजिक सौहार्द एवम सद्भाव बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

गौरा गांव के समीप यूवक की हत्या के बाद इलाके में सनसनी

लखीसराय।

हलसी थाना क्षेत्र के गौरा गांव के समीप यूवक की हत्या के बाद इलाके में सनसनी फ़ैल गई। घटना की सूचना मिलते हीं एसपी पंकज कुमार एवं हलसी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जूट गए हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल से पुलिस ने खोखा,मृतक का टुटा हुआ मोबाइल,बाइक बरामद किया है।मृतक की पहचान शेखपुरा जिले के करडें थाना क्षेत्र के कुरमुड़ी निवासी चंद्रिका यादव का पुत्र लल्लू यादव के रूप में की गई है। एसपी पंकज कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक यूवक की हलसी थाना क्षेत्र के गौरा गांव में गोलीमारकर हत्या कर दी है। प्रथमदृष्टया हत्या का वजह आपसी रंजिश या फिर प्रेम -प्रसंग में बताई जा रही है, हालांकि पुलिस अनुसंधान के बाद ही हत्या के कारणों का स्पष्ट हो पाएगा।घटना में शामिल सभी अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।वहीं मृतक के पिता बताते हैं,कि सुबह मृतक घर से किसी काम से बाइक से निकला था।

आरोप: प्रांत के लोगों को द्वारा दर्ज की गई आपत्तियों को नकारा कर पारदर्शिता की भी धज्जियां उड़ाई जा रही नगर ग्राम आयोजन विभाग में: सिटीजंस वेलफेयर एसोसिएशन पंचकूला

हरियाणा/चंडीगढ़।

सिटीजंस वेलफेयर एसोसिएशन पंचकूला के सदस्यों एक शिष्टमंडल ने ऐस के नैय्यर, प्रधान की अगुवाई में 4 अप्रैल 2023 को सत्य प्रकाश डायरेक्टर जनरल, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग एवं राघवेंद्र राव, अध्यक्ष, विशेषज्ञता-कमेटी द्वारा आपतियों एवं सुझाव देने हेतु ज्ञापन दिया। मुख्य मांग के अनुसार जिला पंचकूला एवं हरियाणा के अन्य जिलों में पाया गया है कि अधिकतर लोग कंप्यूटर को चलाने की जानकारी ना रखते हुए एवं उसका उपयोग करने हेतु अनजान है। फिर भी जिन लोगों ने आपत्तियां एवं सुझाव भेजने हेतु विभाग की वेबसाइट खोलना चाही तो उसमें लिंक तक नदारद रहा और मिलने उपरांत सिर्फ 1000 शब्दों से अधिक ग्रहण नहीं करता रहा। जिसके कारण लोगों को परेशानी का बहुत सामना करना पड़ा। दूस-री ओर पंचकूला से अधिकतर सामाजिक-संस्थाओं एवं रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आपत्तियां एवं सुझाव भेजे गए हैं। अतः लगता है विभाग ने उन सबको या तो गिना ही नहीं और यदि गिनती में आए तो उनको एक व्यक्ति का दर्जा दिया गया जो सरासर लोगों के साथ अन्याय है। क्योंकि कोई भी संस्था सिर्फ एक व्यक्ति द्वारा नहीं खिलाई जा सकती।

वहीं दूसरी ओर गुरुग्राम में हजारों लोगों द्वारा आपत्तियां दर्ज कराई गई। जबकि गुरुग्राम दिल्ली एनसीआर का हिस्सा होते हुए ₹अरावली भूमि₹ पर स्थित है। जबकि पंचकूला ट्राइसिटी चंडीगढ़ का हिस्सा होते हुए ₹शिवालिक-भूमि₹ पर स्थित होने के कारण नर्म-भूमि पर स्थित है। वैसे भी पंचकूला जिला ₹संवेदनशील-एवं-गंभीर-भूकंप-जोन' के अंतर्गत आता है वहीं दूसरी ओर बिल्डर घटिया किस्म का इमारती सामान इस्तेमाल करके चार-मंजिलों तक के मकानों को बनाते हुए सेक्टर की निर्धारित जोनिंग-सिस्टम द्वारा शहर को क्षतिपूर्ण एवं बदसूरत बनाना शुरु कर चुकें है जोकि ₹पंचकूला-मास्टर-प्लान₹ की धज्जियां उड़ा रहा है।

पंचकूला एवं हरियाणा प्रांत के लोग ग्राम एवं नगर आयोजना विभाग द्वारा मांगी गई आपत्तियों एवं सुझाव हेतु लोग अपने साथ खिलवाड़ मानते हुए कहे जा रहे हैं कि लोगों के साथ धोखा हुआ है और सच्चाई को कमेटी द्वारा पूर्ण रूप से अव्यावहारिक तरीके से अपनाया जा रहा है। एक और मनोहर लाल खट्टर मुख्यमंत्री हरियाणा प्रांत को भ्रष्टाचार-मुक्त रखते हुए कार्य करना कर रहे है। वही प्रांत के लोगों को द्वारा दर्ज की गई आपत्तियों को नकारा जा रहा है बल्कि पारदर्शिता की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

एसके नैय्यर, प्रधान; श्रीमती लिल्ली बाबा, वरिष्ठ-उप-प्रधान; श्री कालूराम कोली, सचिव एवं सुनील जैन, महासचिव सिटीजंस वेलफेयर एसोसिएशन एवं अन्य सदस्यों द्वारा डायरेक्टर-जनरल, ग्राम एवं नगर आयोजना विभाग एवं चेयरमैन, विशेषज्ञता-कमेटी से आग्रह किया है कि अभी तक की भी बनाई गई कमेटी को तुरंत तौर पर भंग करके पुनः नए सिरे से कमेटी का गठन किया जाना चाहिए। जिसमें प्रांत के आम तीन या चार विशिष्ट-सदस्यों को सम्मिलित करके जिलावार लोगों से प्रत्यक्ष रूप में जांच की जाए कि लोग अंततः व्यक्तिगत रूप में लागू हो सके और उसी के अनुसार फैसला किया जाए ताकि लोगों को न्याय एवं पारदर्शिता का भी अनुभव हो सके।

सूडान में लड़ाई के बीच इंटरनेट बंद:सऊदी अरब ने कुछ भारतीयों को निकाला, भारत ने जेद्दाह में दो मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट स्टैंडबाय पर रखे

अफ्रीकी देश सूडान में लड़ाई के बीच इंटरनेट बंद कर दिया गया है। 72 घंटे की सीजफायर के बावजूद दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इन सब के बीच वहां फंसे लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। सऊदी अरब ने शनिवार देर रात सूडान में फंसे 158 लोगों को सुरक्षित निकाला। इनमें कई भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, रविवार सुबह अमेरिका ने खार्तूम में स्थित अपनी एंबेसी के स्टाफ को सुरक्षित निकाल लिया।

सूडान में फंसे भारतीयों को निकालने की सरकार की योजना के तहत भारत ने जेद्दाह में दो उ-130ख मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को स्टैंडबाय पर रखा है। भारतीय नौसेना का एक जहाज सूडान के एक प्रमुख बंदरगाह पर पहुंच गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सूडान में भारतीय दूतावास भी संयुक्त राष्ट्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और अमेरिका के साथ नियमित संपर्क में है।वहां फंसे भारतीयों को निकालने के लिए सभी संभव कोशिशें की जा रही हैं।

अमेरिकी मीडिया उठठ ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि एंबेसी के 70 डिप्लोमैट्स और उनके परिवार को सुरक्षित निकालने के लिए मिलिट्री के एयरक्राफ्ट में एयरलिफ्ट किया गया। सूडान में तख्तापलट के लिए सेना और पैरामिलिट्री- रेपिड सपोर्ट फोर्स (फत्र्र) के बीच 9 दिन से लड़ाई जारी है। यहां 15 अप्रैल के बाद से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसके चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। स्वास्थ्यकर्मी भी घायलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी एंबेसी को फिलहाल के लिए बंद कर दिया गया है। यहां सभी काम रोक दिए गए हैं। सूडान में अमेरिकी दूतावास के काम दोबारा कब शुरू किए जाएंगे, इस बारे में भी नहीं बताया गया। वहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (हल्ठ्ड) की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 अप्रैल तक लड़ाई में 400 लोगों की मौत हो चुकी थी। करीब 3500 लोग घायल हुए थे। इधर, भारतीयों की सुरक्षित वापसी को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 18 अप्रैल को सऊदी के फॉरेन मिनिस्टर फैसल बिन फरहान अल सऊद से बातचीत की थी। इसके बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीयों के साथ ही 12 मित्र देशों के लोग, सूडान से सुरक्षित रूप से पहुंचे हैं। सऊदी अरब ने जिन लोगों को सुरक्षित निकाला है, इनमें डिप्लोमैट्स और इंटरनेशनल ऑफिसर्स भी शामिल हैं। इनके साथ ही सऊदी अरब के 91 नागरिक भी स्वदेश पहुंचे हैं। निकाले गए भारतीयों की संख्या नहीं बताई गई है।

16 अप्रैल को एक भारतीय नागरिक अल्बर्ट ऑगस्टीन की मौत हुई थी। भारतीय मिशन ने ट्वीट कर बताया कि गोली लगने से अल्बर्ट की मौत हो गई। वो सूडान में डल ग्रुप कंपनी के लिए काम करते थे। भारत सरकार पहले ही सूडान में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है। उन्हें घरों में ही रहने की सलाह दी गई है। वहीं, 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल मीटिंग करते हुए सूडान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए इमरजेंसी प्लान तैयार रखने की बात कही।

इस लड़ाई का केंद्र बनी राजधानी खार्तूम में भारत के करीब डेढ़ हजार नागरिक भी फंसे हुए हैं। वहीं, सूडानी शहर अल-फशेर में कर्नाटक के हक्की-पिक्की आदिवासी समुदाय के 31 लोग फंसे हैं। ये लोग आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बेचने के लिए सूडान गए थे। इनमें से 19 लोग कर्नाटक के हुनसूर, 7 शिवामोगा और 5 लोग चन्नागिरी के रहने वाले हैं।

सूडान में फंसे भारतीयों में से एक एस. प्रभू ने मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि हम पिछले 4-5 दिनों से एक किराए के मकान में फंसे हुए हैं। हमारे पास खाना या पीने के लिए कुछ भी नहीं है। बाहर से लगातार धमाकों की आवाज आ रही है। यहां कोई हमारी मदद करने को तैयार नहीं है।

मार्ग-दर्शन

जूलियस सीज़र की समझदारी

रोमन इतिहास में विख्यात सम्राट जूलियस सीज़र का जन्म एक अत्यंत अभिजात्य रोमन कुल में हुआ था। इस कुल के लोग स्वयं को वीनस देवी का वंशज मानते थे। स्वाभाविक रूप से उच्च कुलोत्पन्न होने का अहंकार सीज़र को विरासत में मिला था। उसने रोमन गणतंत्र में स्वयं को तानाशाह के रूप में स्थापित कर लिया था। वह अपने साम्राज्य से संबंधित सारे निर्णय अकेला लेता था। कहने को तो प्रशासकीय निर्णय रोमन सीनेट की बैठक में लिए जाते थे, किंतु वास्तव में राजसत्ता का प्रमुख केंद्र सीज़र का महल था। वह विचार-विमर्श भले ही सभी से करता था, किंतु निर्णय अपनी दृष्टि को सर्वोपरि रखकर ही करता था। सीज़र की इस तानाशाही प्रवृत्ति के कारण प्रजा में कई बार असंतोष भी उभरता था और सीजर के अनेक विरोधी भी थे। एक बार सीज़र को पत्रों का एक पुलिंदा मिला, जो उसके किसी विरोधी ने लिखे थे। उसमें सीज़र पर अनेक गंभीर आरोप लगाए गए थे और अनेक स्थानों पर अपशब्दों का भी उपयोग किया गया था। उसे अपमानित किया गया था। सीज़र के किसी सहयोगी ने उन्हें पढ़ा, किंतु जैसे ही उसने वे पत्र सीज़र को दिए, उसने तत्काल उन्हें आग में जला दिया। यह देखकर सहयोगी ने कहा, सम्राट, आपने ये पत्र जलाकर ठीक नहीं किया। आपके शत्रु के विरुद्ध ये ठोस प्रमाण सिद्ध हो सकते थे। तब सीज़र ने तर्क दिया, 'यद्यपि मैं क्रोध के प्रति सदैव सतर्क रहता हूं, किंतु मेरी दृष्टि में अधिक आवश्यक यह है कि क्रोध के कारण को ही मिटा दिया जाए। यही मैंने अभी किया है।' उचित समय व स्थान पर क्रोध करना उपयुक्त होता है, किंतु जहां व्यक्तिगत क्षति की अधिक संभावना हो, वहां क्रोध दबाकर उसके कारण पर प्रहार करना चाहिए ताकि स्वयं की ऊर्जा बनी रहे और विरोधी के गलत इरादे पूरे न हों।

जीने की राह

सांस से साधें सयंम और जगाएं चरित्र

संजिदा लोग बढ़ते हुए अपराधों को लेकर बहुत परेशान हैं। महिलाओं के साथ हो रहे अपराध तो परिवार को भीतर तक तोड़ देते हैं। खासतौर जब बच्चियां अपराध की शिकार हों। कानून अपना काम कर रहा है। धर्म चिल्ला-चिल्लाकर सिखा रहा है चरित्र बचाओ। आइए, हम सब भी अपनी सीमा में और अपने स्तर पर इससे मुक्ति का प्रयास करें। आस-पास के लोगों को समझाएं कि अपराध के दो बड़े कारण हैं - असंयम और अहंकार। असंयम वासनाओं को प्रवेश का अवसर देता है और अहंकार आवेश, आक्रोश, क्रोध में बदलता है, जो दुष्कृत्य में हिंसा भी उतार देता है। आज जो भी संयम दिखता है उसके पीछे सामाजिक या न्यायिक मजबूरी है। अवसर मिलते ही मनुष्य का मन चाहे वह फिर किसी भी उम्र का हो, मर्यादा तोड़ने में पीछे नहीं हटता। इसलिए हम परिवार के सदस्यों को संयम से जरूर जोड़ें। तीन परत हैं - पहली प्रतिष्ठा की, दूसरी आचरण की और तीसरी चरित्र की। हमें चरित्र पर काम करना होगा। चरित्र सांस से संचालित होता है। आचरण को विचार प्रभावित करते हैं और प्रतिष्ठा का संबंध रहन-सहन से है। जिन्हें बच्चों के चरित्र पर काम करना हो, वे उन्हें सिखाएं कि अपनी सांस को महसूस करें। यदि समुद्र में हमें लहरें दिखती हैं। अब लहर के पीछे की हवा को देखने का अभ्यास करें। ऐसे ही सांस के पीछे के प्राण को देखें। भीतर जाती सांस को पीछा करते हुए और बाहर निकलती सांस के साथ स्वयं चलते हुए थोड़ा समय बिताएं। अपने आप चरित्र जागेगा और संयम क्या होता है यह समझा देगा।

क्या चुनाव की सरकारी फंडिंग का वक्त आ गया

भारत के 2009 के आम चुनाव में राजनीतिक दलों की ओर से दो अरब डॉलर खर्च हुए। यह 2014 में पांच अरब डॉलर और 2019 तक 8.6 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत का पिछला आम चुनाव, दुनिया का सबसे महंगा चुनाव था। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अनुसार, भारत में इस खर्च का 10-12 फीसदी मतदाताओं को सीधे नकद भुगतान के रूप में है।

अज्ञात स्त्रोतों से कमाई

-असोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स(एडीआर) के अनुसार, 2021-22 में देश में राष्ट्रीय दलों की आय का 60 फीसदी अज्ञात स्त्रोतों से आया और यह राशि 2,172 करोड़ रुपये से अधिक है।

-वित्तीय वर्ष 2004-05 और 2021-22 के बीच राजनीतिक दलों द्वारा 17,249 करोड़ रुपये अज्ञात स्त्रोतों से जुटाए गए।

-जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (1951), धारा 29 (सी) के मुताबिक, राजनीतिक दलों के कोषाध्यक्षों को 20 हजार रुपये से अधिक के किसी भी योगदान के दस्तावेज चुनाव आयोग से साझा करने होते हैं।

-1968 में इंदिरा गांधी की पहल पर राजनीतिक दलों के लिए कॉरपोरेट चंदे पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अलबत्ता, 1985 में इसे फिर से वैध ठहरा दिया गया।

कहने की जरूरत नहीं कि इस मामले में बाद में संशोधनों ने निगमों और राजनीतिक दलों की गोपनीयता को सामान्य नागरिकों के सूचना के अधिकार पर प्राथमिकता दी है। इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की हमारी क्षमता प्रभावित हुई है। राजनीतिक दलों को अब आयकर विभाग और चुनाव आयोग को वार्षिक आय-व्यय का ब्योरा देना तो जरूरी है, लेकिन वे अपने धन के स्त्रोतों का विवरण देने को बाध्य नहीं हैं।

दलों के खर्च पर नियंत्रण नहीं

वहीं, चुनाव अभियान से जुड़े वित्तीय कानूनों ने उम्मीदवारों के लिए तो खर्च की सीमा तय की है, लेकिन दलों के लिए यह असीमित है। यह स्थिति राजनीतिक खर्च को लेकर कई अनिष्टकारी संशयों को जन्म देती है। कई देश इस मामले में एक भिन्न मॉडल को अपनाते हैं।

-अमेरिका में चुनाव अभियान के खर्च के लिए दलों और उम्मीदवारों को वित्तीय मदद की परिभाषित सीमाएं हैं, जबकि

भारत का पिछला आम चुनाव, दुनिया का सबसे महंगा चुनाव था। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अनुसार, भारत में इस खर्च का 10-12 फीसदी मतदाताओं को सीधे नकद भुगतान के रूप में है।

चुनाव अभियान खर्च ऐसी किसी सीमा से मुक्त है।

-नीदरलैंड में लोगों और कंपनियों को सीमित दान और पार्टी सदस्यता राशि चुकाने में कर कटौती का प्रोत्साहनकारी प्रावधान है।

-भारत में भी उम्मीदवारों और दलों के खर्च की सीमा तय होनी चाहिए। साथ ही, इसमें नियमित रूप से संशोधन होते रहना चाहिए।

नहीं आई पारदर्शिता

चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता लाने में चुनावी बॉन्ड रामबाण साबित नहीं हुआ है।

-2018 में चुनावी बॉन्ड योजना को वित्त अधिनियम (2017) के जरिए पेश किया गया था और इसके सहारे लोगों, संस्थाओं या कंपनियों द्वारा ब्याज मुक्त चुनावी बॉन्ड की खरीद का रास्ता खोला गया था। इसमें न तो क्रेता और न ही राजनीतिक दल को यह बताने की जरूरत है कि दान किसे दिया गया है।

-चुनावी बॉन्ड को धारा 29 (सी) से भी बाहर रखा गया है, जबकि कंपनियों को कुल लाभ के संबंध के बिना दान करने की इजाजत दी गई है।

-अतिरिक्त संशोधनों में कंपनियों के लिए ऐसी किसी वैधानिक आवश्यकता को भी हटा दिया गया है कि वे अपनी सालाना रिपोर्ट में उन राजनीतिक दलों के नाम का जिक्र करें, जिन्हें उन्होंने दान दिया है। यह यकीनन दान के लिए अतिरिक्त शेल कंपनियों के निर्माण को प्रोत्साहित करेगा।

चुनाव की सरकारी फंडिंग

इस बीच, भारत में चुनावों की विदेशी फंडिंग भी जारी है। यह विडंबना ही है कि एनजीओ चलाने वाले भारतीयों को विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए कई चक्कर लगाने पड़ते हैं, जबकि राजनीतिक दलों को कानूनन विदेशी चंदा प्राप्त करने की इजाजत है।

आखिर में हम कह सकते हैं कि चुनाव के लिए सरकारी फंडिंग एक ऐसा विचार है, जिस पर गंभीरता से विचार का समय आ गया है। यह पश्चिम में पहले से व्यापक रूप से प्रचलित है।

-भारत के संबंध में भी यह कोई नया विचार नहीं है। 1990 में चुनाव सुधारों पर दिनेश गोस्वामी समिति ने सिफारिश की थी- स्वतंत्र समर्थकों द्वारा चुनावी खर्च को दंडित करते हुए और राजनीतिक दलों को कॉरपोरेट चंदे पर प्रतिबंध लगाते हुए चुनिंदा खर्चों के लिए राज्य वित्त पोषण करे।

-यहां तक कि 1993 में सीआईआई ने उत्पाद शुल्क पर विशेष उपकर या उद्योगों द्वारा चुनाव निधि पूल में योगदान के माध्यम से चुनाव के लिए राज्य वित्त पोषण की सिफारिश की थी।

-1998 से आंशिक राज्य सब्सिडी दी भी गई है। राज्य के स्वामित्व वाले टेलिविजन और रेडियो नेटवर्क पर खाली समय का आवंटन एक ऐसी ही पहल है।

-1998 में चुनावों के राज्य वित्त पोषण पर इंद्रजीत गुप्ता समिति ने सुझाव दिया था कि राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों को मुफ्त एअर टाइम साझा करने की अनिवार्यता को निजी चैनलों तक विस्तृत और इसके लिए जरूरी सब्सिडी मुहैया कराई जानी चाहिए। इन सुझावों के तहत चुनाव खर्च के लिए 600 करोड़ रुपये का एक अलग कोष केंद्र और राज्य द्वारा वित्त पोषित किया जाना था।

न रहे निजी चंदे पर निर्भरता

राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की निजी चंदे पर निर्भरता कम करने के लिए हमें चुनावों (लोकसभा, राज्य विधानमंडल और नगरपालिका चुनावों के लिए) के लिए सरकारी फंडिंग की दिशा में बढ़ना चाहिए। साथ ही पार्टी की सदस्यता को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय चुनाव कोष में दान करने को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे ईमानदार प्रत्याशियों को बढ़ावा मिलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था कि भारत में हर विधायक अपने करियर की शुरुआत झूठी रिटर्न फाइलिंग से करता है। लोकतंत्र और मतदान की शुचिता के लिए इस दिशा में ठोस और ईमानदार पहल समय की मांग है।

बात आगे बढ़े

आखिरकार समलैंगिक शादी से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार से सुनवाई शुरू कर दी। याचिकाकर्ताओं की सुप्रीम कोर्ट से दरख्वास्त है कि चूंकि अब देश में दो वयस्क लोगों का स्वेच्छा से आपस में समलैंगिक संबंध बनाना और एक साथ रहना अपराध नहीं है, इसलिए वे एक कपल के रूप में रह तो सकते हैं, लेकिन चाहकर भी अपने रिश्ते को शादी का नाम नहीं दे सकते क्योंकि शादी से जुड़े मौजूदा कानून जेंडर न्यूट्रल नहीं हैं। इनके मुताबिक शादी पुरुष और महिला के बीच ही हो सकती है। साफ है कि न केवल एलजीबीटीक्यू समुदायों से जुड़े लोग बल्कि कई मानवाधिकार कार्यकर्ता भी इसे समानता के अधिकार से जुड़े मसले के रूप में देख और समझ रहे हैं। उनके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में दायर ये याचिकाएं कानून में निहित असमानता को दूर करने की एक कोशिश है, जिसे पॉजिटिव रूप में लेना चाहिए। मामला थोड़ा जटिल तब हो गया जब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर करते हुए कहा कि शादियों से जुड़े इस मसले पर कानून बनाने का अधिकार सिर्फ संसद को है। इसलिए कोर्ट को इस मामले की सुनवाई ही नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। केंद्र की दलील थी कि शादियों का यह विषय समवर्ती सूची में आता है। इसके अलावा विभिन्न धर्मों के पर्सनल लॉ भी इससे जुड़े हैं। जाहिर है, इसमें स्टेकहोल्डर्स का दायरा काफी व्यापक है। इसलिए कोर्ट को इसमें नहीं पड़ना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए केंद्र की इस दलील को आंशिक रूप से स्वीकार किया कि इसका दायरा काफी बड़ा है। उसने यह भी साफ कर दिया कि उसे अपनी सीमाओं का पूरा अहसास है। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने पर्सनल लॉ से जुड़े पहलुओं को इस सुनवाई से अलग कर दिया। जाहिर है, अब मामला स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधानों को जेंडर न्यूट्रल करने की बहस तक सीमित हो गया है।

हालांकि इसके बाद केंद्र सरकार ने बुधवार को कोर्ट में एक और आवेदन दाखिल कर कहा कि उसने समलैंगिक शादी के मुद्दे पर तमाम राज्यों और केंद्र शासित इकाइयों से बातचीत और विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए इस केस में राज्यों को भी पार्टी बनाया जाए और केंद्र को यह मौका दिया जाए कि वह विचार-विमर्श की इस प्रक्रिया को पूरा कर सके। देखना होगा कि यह केस आगे क्या रूप लेता है और सुप्रीम कोर्ट समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता दिलाने की ओर बढ़ता है या नहीं। लेकिन आधुनिक मूल्यों वाले एक खुले समाज के रूप में यह हमारी जरूरत है कि समाज के सभी वर्गों को समानता और गरिमा से युक्त जीवन सुनिश्चित करने का संकल्प कमजोर न होने दिया जाए।

यूपी में कितनी असरदार होगी यह तिकड़ी

14 अप्रैल को बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर देश के अलग-अलग हिस्सों से इसके आयोजन की तमाम खबरें और तस्वीरें आईं। लेकिन जिस एक तस्वीर की सबसे ज्यादा चर्चा हुई, वह बाबा साहेब की जन्मस्थली महू से थी, जहां पर यूपी के तीन नेताओं ने जयंती के बहाने एक साथ मंच साझा किया। ये नेता थे- सपा चीफ अखिलेश यादव, आरएलडी चीफ जयंत चौधरी और भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर। वैसे तो अखिलेश यादव और जयंत चौधरी एक गठबंधन का हिस्सा हैं, चंद्रशेखर को ही इसमें नया कहा जा सकता है, लेकिन तीनों ने जिस मौके का इस्तेमाल एक साथ मंच साझा करने के लिए किया, उसे एक नए राजनीतिक प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है।

सूबे की राजनीति में अलग-अलग जाति-समूहों की नुमाइंदगी करने वाले अखिलेश और जयंत ने चंद्रशेखर की शक्ल में न केवल अपना एक नया साथी तलाश किया है, बल्कि अनुसूचित जाति वर्ग को फोकस करते हुए अपना नया राजनीतिक अजेंडा तय किया है। यह उनकी बड़ी जरूरत भी है क्योंकि 2014 से लेकर 2022 के बीच दो लोकसभा और यूपी के दो विधानसभा चुनावों में उन्हें न केवल बीजेपी से हार का सामना करना पड़ा है, बल्कि बीजेपी ने वोट प्रतिशत के मामले में भी बड़ी बढ़त बना ली है। 2022 के यूपी के विधानसभा चुनाव में बीजेपी का वोट 41 फीसदी को पार कर गया था, जबकि सपा 32 फीसदी तक पहुंच सकी थी।

नए प्रयोग के मायने

अब जब माना जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो मायावती की पॉलिटिक्स ढलान की ओर है, तो कहीं न कहीं चंद्रशेखर को उनके विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ सालों में चंद्रशेखर ने अनुसूचित जाति वर्ग के 'फायर ब्रैंड' नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है और अनुसूचित जाति के युवा वर्ग के बीच उनकी लोकप्रियता को खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि अभी यह प्रमाणित होना बाकी है कि उन्होंने अब तक अपनी जो पहचान बनाई है, वह वोट में तब्दील होने की कितनी क्षमता रखती है। अखिलेश यादव और चंद्रशेखर के बीच 2022 के चुनाव के लिए भी गठबंधन की बात चली थी, लेकिन वह सिरे पर नहीं चढ़ पाई थी। उसकी वजह यह मानी जा सकती है कि समाजवादी पार्टी के अंदर यह माना जाने लगा था कि वह सरकार बनाने की तरफ बढ़ रही है, उसे बहुमत हासिल होने वाला है। ऐसे में उन्हें चंद्रशेखर की कोई खास जरूरत नहीं महसूस हुई। लेकिन नतीजों के आने के बाद अखिलेश यादव और चंद्रशेखर फिर से एक-दूसरे के न केवल नजदीक आए, बल्कि अखिलेश, चंद्रशेखर को इस बात को लेकर प्रेरित भी कर रहे हैं कि उन्हें बसपा से अलग होने वाले कोर नेताओं और वोट बैंक को अपने साथ लाने की लगातार कोशिश करनी चाहिए। अभी तक के संकेतों से लग रहा है कि 2024 में चंद्रशेखर समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

उधर, आरएलडी के जयंत चौधरी के पास भी समाजवादी पार्टी के साथ बने रहने का ही विकल्प रह गया है। एक वक्त जाट वोटों पर उनके परिवार की सबसे ज्यादा पकड़ हुआ करती थी और उसी की बदौलत हर पार्टी की ओर से उनकी मांग हुआ करती थी। लेकिन 2014 के बाद वेस्ट यूपी की पॉलिटिक्स का भी चेहरा बदल गया। अब जयंत चौधरी किसी भी पार्टी के लिए अपरिहार्य नहीं रहे। 2022 के विधानसभा चुनाव में जब एक वक्त बीजेपी के अंदर जयंत चौधरी का साथ लेने पर अंदरूनी विमर्श शुरू हुआ था, तो बीजेपी की जाट लीडरशिप ने ही जयंत का साथ लेने पर असहमति दर्ज करा दी थी। अखिलेश यादव भी कांग्रेस से लेकर बसपा तक से चुनावी गठबंधन के प्रयोग करने के बाद चार-चार चुनाव हारने से काफी दबाव महसूस कर रहे हैं। मुलायम सिंह यादव के बाद उनके सामने खुद को साबित करने की चुनौती है। 2024 के चुनाव में अगर समाजवादी पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई तो 2027 की राह बहुत कठिन हो जाएगी। यही वजह है कि अखिलेश यादव इन दिनों अपने वोट बैंक को बढ़ाने की कोशिश में जुटे हैं। अपने कुल राजनीतिक अनुभव से वह इतना तो जानते ही हैं कि बीजेपी से उनके वोट बैंक का जो फासला है, वह काफी बड़ा है।

कामयाबी की कितनी उम्मीद

अनुसूचित जाति वर्ग को फोकस करते हुए अखिलेश-जयंत-चंद्रशेखर की तिकड़ी के नए अजेंडे से कहीं सबसे ज्यादा बेचैनी देखी जा रही है तो वह बसपा में ही है। कांशीराम से लेकर आंबेडकर तक, समाजवादी पार्टी ने जिस तरह से आक्रामक तेवर अपना रखे हैं, बसपा चीफ मायावती उस पर हमलावर हैं। यह उनकी बेचैनी को भी दिखाता है। उधर, बीजेपी की तरफ से भी अनुसूचित जाति वर्ग के नेता डॉ. लाल जी प्रसाद निर्मल ने मोर्चा संभाल लिया है। मनोनयन कोटे से योगी सरकार ने अभी हाल में डॉ. निर्मल को विधान परिषद भेजा है। डॉ. निर्मल भी अनुसूचित वर्ग से अखिलेश यादव की सहानुभूति को छलावा करार दे रहे हैं। यानी पहली नजर में तिकड़ी के नए प्रयोग के असर की संभावनाओं को बसपा और बीजेपी की तरफ से खारिज नहीं किया जा रहा है, लेकिन जहां तक कामयाबी की बात है, उसे लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.46 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन	08.44 बजे से
मंगल	मिथुन में	कर्क	10.58 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	13.14 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.26 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.37 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.51 ब.से
राहु	मेष में	धनु	22.07 बजे से
केतु	तुला में	मकर	00.13 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	01.59 बजे से
		मीन	03.32 बजे से
		मेष	05.02 बजे से

सोमवार 2023 वर्ष का 114 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
वक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 08.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शोभन 07.48 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.25 बजे तदनन्तर बव 20.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871593
जूलियन दिन 2460058.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना सव्वाल
तारीख 03
विशेष सत्य साई बाबा महाप्रयाण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 24 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो हा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्

पूर्व डिप्टी सीएम चन्द्रमोहन जी आज पौराणिक, प्राचीन आदि अनादि तीर्थस्थल स्वयंभू दो शिवलिंग टपकेश्वर महादेव श्री गुरु द्रोणाचार्य जी की तपस्थली द्रोण गुफा, देहरादून में जल चडाया व पुजा अर्चना की

जानें, टपकेश्वर मंदिर का हैरान करने वाला सच :चन्द्रमोहन

हरियाणा/चंडीगढ़।

टपकेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर देहरादून शहर से 6.5 किमी दूर स्थित है। गढ़ी कैंट छावनी क्षेत्र में तमसा नदी के तट पर स्थित है।शिव लिंग एक प्राकृतिक गुफा के भीतर स्थित है जिसे द्रोण गुफा के नाम से जाना जाता है। टपकेश्वर महादेव मंदिर में दो शिव लिंग हैं, जिनमें से दोनों को स्वयं प्रकट माना जाता है। आस-पास में संतोषी माँ और श्री हनुमान के लिए मंदिर हैं।

शिवलिंग पर लगातार पानी की बूंदें गिरने के कारण इसका नाम 'टपकेश्वर' पड़ा। लगातार गुफा की छत से पानी की बूंदें शिव लिंग के ऊपर गिरती हैं। यह पानी अंततः भूमिगत हो जाता है और मंदिर के पास एक धारा के रूप में फिर से प्रकट होता है।

महाभारत के पांडवों और कौरवों के सम्मानित शिक्षक गुरु द्रोणाचार्य के तप से प्रसन्न होकर ही भगवान शिव ने उन्हें इस स्थान पर दर्शन दिए थे और गुरु द्रोण के अनुरोध पर ही भगवान शिव जगत कल्याण लिंग के रूप में यहां स्थापित हो गए।

मान्यता यह भी है कि अश्वत्थामा को यहीं भगवान शिव से अमरता का वरदान मिला। उनकी गुफा भी यहीं है जहां उनकी एक प्रतिमा भी विराजमान है।

गुरु द्रोणाचार्य ने इस गु×फा में शिव की पूजा अर्चना की। जिससे शिव ने प्रसन्न होकर उन्हें पुत्र प्राप्ति का वरदान दिया। जिसके बाद गुरु द्रोणाचार्य के घर में अश्वत्थामा का जन्म हुआ। कहा जाता हैं कि जब अश्वत्थामा ने अपनी माँ कृपी से दूध पिने की इच्छा जाहिर की तो उनकी यह इच्छा पूरी ना हों सकी। (क्योंकि द्रोणाचार्य गाय के दूध का खर्च नहीं उठा सकते थे) जिस पर अश्वत्थामा ने मंदिर की गुफा में छह माह तक एक पांव पर खड़े होकर भगवान शिव की तपस्या की। जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और मन चाहा वरदान मांगने के लिए कहा जिस पर अश्वत्थामा ने उनसे दूध मांगा। भगवान ने उनकी तपस्या से प्रश्नन होकर शिवलिंग के ऊपर स्थित चट्टान में गऊ थन बना दिए और दूध की धारा बहने लगी। इसी कारण से भगवान शिव का नाम दूधेश्वर पड़ गया। कलियुग में धीरे धीरे दूध की यह धारा जल में परिवर्तित हो गई, जो आज भी निरंतर शिवलिंग पर गिर रही है। इस कारण इस स्थान का नाम टपकेश्वर महादेव पड़ गया। इसके साथ हीं मान्यता यह भी हैं कि महादेव ने यहीं पर देवताओं को देवेश्वर के रूप में भी दर्शन दिए थे। पूरा सावन महीना यहां मेले का माहौल बना रहता है।साथ में हेमंत किगरं, संदीप जलौली व अन्य साथ थे।

कोरोना के मामलों में निरंतर उतार चढ़ाव,बीते 24 घंटों में कोरोना के 10112 नए केस,सक्रिय मामले 67 हजार के पार

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में निरंतर उतार चढ़ाव देखा जा रहा हैबीते 24 घंटों में कोरोना के 10112 नए केस दर्ज किए गए हैं जिसके बाद सक्रिय मामलों की कुल तादाद 67 हजार के पार पहुंच गई हैस्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार सक्रिय मामले 67806 हो गए हैं

इसके साथ ही बीते 24 घंटों में 9833 मरीज रिकवर भी हुए हैं हालांकि देश के कुछ बड़े राज्यों में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है इससे पहले शनिवार को कोरोना के 12193 नए केस दर्ज किए गए थे, जबकि 42 लोगों की जान चली गई थीबता दें कि,केरल में स्थिति सबसे ज्यादा खराब बताई जा रही है जानकारी के लिए बताते चलें कि जब कोरोना की पहली लहर आई थी,तब भी कोरोना का पहला केस और पहली मौत केरल में ही दर्ज कि गई थीइसके अलावा दिल्ली और महाराष्ट्र में भी कोरोना का संक्रमण धीरे-धीरे पैर पसारता जा रहा है

अमृतपाल की गिरफ्तारी पर बोले सीएम मान:18 मार्च को पकड़ सकते थे,लेकिन तब गोलियां चलानी पड़ती

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद आज रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मैं पंजाब के साढ़े तीन करोड़ लोगों को आश्वस्त करता हूं कि पंजाब में अमन शांति है। सीएम ने अमृतपाल का नाम लिए बिना कहा कि मुझे इस मामले की पूरी जानकारी थी। मैं कल पूरी रात नहीं सोया,हर 15 मिनट में मैं अपडेट ले रहा था क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि कोई भी खून खराबा हो। लेकिन पंजाब के लिए मुझे नींद गंवाने का कोई दुख नहीं है।

भगवंत मान ने कहा कि 18 मार्च को भी अमृतपाल की गिरफ्तारी हो सकती थी लेकिन गोली चलानी पड़ती, इसलिए पंजाब पुलिस ने काफी संयम बरता।उन्होंने पंजाब पुलिस की पूरे ऑपरेशन के लिए पीठ भी थपथपाई।

सीएम मान ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मान ने कहा कि आप सरकार लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए काम कर रही है और यह हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य है।

भगोड़े खालिस्तान समर्थक अमृतपाल ने किया सरेंडर,मोगा पुलिस ने लिया हिरासत में

चंडीगढ़ । खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने मोगा पुलिस के सामने समर्पण कर दिया है। सूत्रों के अनुसार वारिस पंजाब दे चीफ अमृतपाल सिंह को मोगा के गुरुद्वारा से हिरासत में ले लिया गया है. अमृतपाल 36 दिन बाद पुलिस के हाथ लगा है। अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

पुलिस अमृतपाल को कई दिनों से देश के कई हिस्सों में तलाश कर रही थी। उसने भी अपने समर्पण को लेकर कई बार संदेश भेजे लेकिन वह अब तक गिरफ्त से बाहर रहा। अब खबर है कि उसने देर रात सरेंडर कर दिया है।

सूडान में सड़कों पर पड़े हैं शव,लोग पैदल ही छोड़ रहे शहर; हजारों भारतीय भी फंसे

नई दिल्ली ।

सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच पिछले कई दिनों से जारी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। दो बलों की हिंसक झड़प में अब तक 400 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, 3000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस बीच भारत समेत कई देशों ने हिंसाग्रस्त देश से अपने नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, सऊदी अरब की सुरक्षा में पहली बार सूडान से करीब 91 लोग सुरक्षित बाहर आए हैं, जिसमें कुछ भारतीय भी शामिल हैं।

ज्ञात हो कि अफ्रीकी देश सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच 15 अप्रैल से हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। राजधानी खार्तूम समेत देश के कई हिस्सों में विस्फोट और गोलाबारी की घटनाएं हो रही हैं। सूडानी राजधानी से हजारों निवासी अपनी जान बचाकर भाग गए हैं। यहां प्रत्यक्षदर्शियों ने सड़कों पर पड़े शवों के भयानक दृश्य देखे। 33 वर्षीय अलाव्या अल-तैयब ने शहर से बाहर निकलते हुए बताया, खार्तूम में जीवन असंभव है अगर यह युद्ध नहीं रुकता। उन्होंने कहा, 'मैंने कोशिश की कि बच्चे सड़कों पर लाशें न देखें।' विदेशी राजनयिकों पर हमला किया गया है और संयुक्त राष्ट्र के सहायता कर्मियों के खिलाफ यौन हिंसा की खबरें हैं। हजारों लोग कार या पैदल खार्तूम से निकलने लगे हैं।

अर्धसैनिक बलों और सेना ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमला करने के आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इस लड़ाई में 400 से अधिक लोग मारे गए, 3,000 घायल हुए और कई विस्थापित हुए। लड़ाइयों ने आवासीय और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचाया है। अपने घरों में रुके नागरिक,खाद्य आपूर्ति में कमी,बिजली कटौती और पानी की कमी के कारण परेशान हो रहे हैं।

पूरे सूडान में इंटरनेट बैन होने की जानकारी भी सामने आई है। रविवार को ब्रिटेन के सशस्त्र बलों ने देश से ब्रिटिश राजनयिकों और उनके परिवारों को निकाला। सफल ऑपरेशन की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि दोनों पक्ष अपने हथियार डाल दें और तत्काल मानवीय युद्धविराम लागू करें।

इससे पहले रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने अमेरिकी सैनिकों के साथ मिलकर वाशिंगटन के दूतावास को खाली कराया। शनिवार को भी सूडानी सेना ने चीन और फ्रांस के राजनयिकों को देश से बाहर सैन्य हवाई जहाज से निकालने में मदद की। इसी दिन सऊदी विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत,कुवैत,पाकिस्तान,कतर,मिस्त्र, संयुक्त अरब अमीरात,ट्यूनीशिया, बांग्ला देश,बुल्गारिया,कनाडा, फिलीपींस और बुर्किना फासो के नागरिकों के साथ-साथ अपने 91 नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

देश में हिंसा, तनाव और असुरक्षित हवाईअड्डों के कारण विदेशी नागरिकों को निकालना मुश्किल हो रहा है। इस बीच अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (फत्र्फ) राजधानी खार्तूम में मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। फंसे हुए विदेशी नागरिकों में लगभग 3,000 भारतीय हैं। वहीं, केरल के 48 वर्षीय अल्बर्ट ऑगस्टाइन की गोली लगने से मौत हो चुकी है।

वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत पूरे मामले पर करीबी नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि सूडान में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मंत्रालय,सूडान में भारतीय दूतावास संयुक्त राष्ट्र,सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,मिस्त्र और अमेरिका के संपर्क में है। इसने जानकारी दी कि वायुसेना के दो उ-130ख विमानों को जेद्दा में तैयार रहने को कहा गया है, जबकि क्चर सुमेधा पोर्ट सूडान पहुंच गया है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत सरकार सूडान में फंसे अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर प्रयास कर रही है। हम सूडान में जटिल और उभरती सुरक्षा स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं। सूडान से बाहर निकलना चाह रहे भारतीयों की सुरक्षित निकासी के लिए भारत विभिन्न साझेदारों के साथ करीब से बातचीत कर रहा है। सूडानी हवाई क्षेत्र वर्तमान में सभी विदेशी विमानों के लिए बंद है। ओवरलैंड आंदोलन में जोखिम और तार्किक चुनौतियां बनी हुई हैं। बता दें कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह युद्ध प्रभावित सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी हिस्सा लिया और सूडान के मौजूदा हालात के बारे में पीएम को अवगत कराया था।

ज्ञात हो कि हालिया हिंसक घटनाओं की जड़ें तीन साल पहले हुए तख्तापलट से जुड़ी हैं। दरअसल,अप्रैल 2019 में एक विद्रोह के बीच सैन्य जनरलों द्वारा लंबे समय से शासन कर रहे निरंकुश शासक उमर अल-बशीर को सत्ता से बेदखल कर दिया था। तब से सेना एक संप्रभु परिषद के माध्यम से देश चला रही है। सेना और आरएसएफ प्रतिद्वंद्विता राष्ट्रपति उमर अल-बशीर के शासन के समय से चली आ रही है। ताजा झड़प की वजह ये है कि सूडान की सेना का मानना है कि आरएसएफ, अर्द्धसैनिकल बल के तहत आती है और उसे सेना में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

' मिट्टी में मिला देंगे' : बिहार BJP अध्यक्ष के बयान पर बिफरे CM नीतीश,बोले- बिल्कुल बुद्धि नहीं, करना है कर दो

पटना।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के ₹मिट्टी में मिला देंगे₹ वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनको कहिए न कि करा दीजिए। कौन रोक रहा है? यह सब जो लोग बोलता है उसका कोई मतलब है क्या हम कभी इस तरह का बात बोलते हैं। जो इस तरह के शब्दों का प्रयोग करता है तो समझ लीजिए कि बुद्धि नहीं है। जो मन करे वह कर लें। जहां करना है कर दो जो इच्छा है कर दो। आजकल जो लोग हैं उन लोग को बुद्धि बिल्कुल भी नहीं है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई कितने बड़े प्रशंसक हम लोग रहे हैं। कितना हम प्रशंसा करते हैं और यह लोग ऐसा बयान देते हैं।

» कुछ लोग हैं जो सब कुछ को बदल देना चाहते हैं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समय आने पर सब बता देंगे। जब हम सबलोगों से मिल लेंगे तो आपलोगों

को सबकुछ बता देंगे। अभी इस तरह के सवाल का कोई मतलब नहीं है। हम तो ज्यादा-से-ज्यादा विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं। अपने लिए कुछ नहीं चाहते हैं। हमारी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है। हम तो पूरे देश के लिए सोच रहे हैं। कुछ लोग पूरे देश के इतिहास को बदलने के चक्कर में हैं। इतनी बड़ी आजादी की लड़ाई लड़ी गई, उसे नई पीढ़ी को जानना चाहिए लेकिन कुछ लोग सबकुछ बदल देना चाहते हैं। जब सबलोग मिलकर रहेंगे तो देश सुरक्षित रहेगा। इसके लिए हम काम कर रहे हैं। कुछ लोगों ने नई टेक्नोलॉजी पर कब्जा कर लिया है, पुरानी चीजों को खत्म किया जा रहा है। हम पूरे देश में विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हुए हैं। बहुत लोगों से बातचीत हो चुकी है,अभी कुछ और लोगों से बात करेंगे।

» बाबू वीर कुंवर सिंह का देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है

दरअसल,सीएम नीतीश कुमार वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में आयोजित राजकीय समारोह में शामिल हुए थे। इस समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कहा कि वीर कुंवर सिंह जी का यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया ने जाता है। आज यहां भी लोगों ने हमें बुलाया था। इनलोगों ने बाबू वीर कुंवर सिंह जी की मूर्ति स्थापित की है, यह बड़ी खुशी की बात है। बाबू वीर कुंवर सिंह का देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है, यह सभी लोगों को मालूम है। इस मौके पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी,खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, सांसद गिरिधारी यादव,विधायक चेतन आनंद,राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, भूमि विकास बैंक की अध्यक्ष श्रीमती ममता सिंह,बिहार राज्य सहकारी आवास संघ के निदेशक रंजीत कुमार झा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, पटना प्रमंडल के आयुक्त कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

» क्या कहा था भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने

दरअसल शनिवार को भामाशाह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमिटमेंट किया था कि नीतीश कुमार जी को ही मुख्यमंत्री बनाना है। इसलिए कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की लेकिन इसके बावजूद नीतीश कुमार जी भाग गए। अब जब वह भाग ही गए तो हमलोग तो उनको राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। 2024 और 25 में हमलोगों को पूरी तरह कमिटमेंट करना होगा कि जिस तरह से यूपी में अपराधी, आतंकवादी और उग्रवादी मिट्टी में मिलाने का काम किया जा रहा है उसी तरह बिहार में राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार जी को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा।

सिरीधान्य देसी आहार से सम्पूर्ण स्वास्थ्य यानि आहार से आरोग्य

हरियाणा/चंडीगढ़।

विश्वास फाउंडेशन पंचकूला द्वारा गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से सिरीधान्य देसी आहार से सम्पूर्ण स्वास्थ्य संबंधित वर्कशॉप का दो दिवसीय कार्यक्रम बीकेएम विश्वास स्कूल सेक्टर 9 पंचकूला के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मैसूर से पधारी मिलेट मैन ऑफ इंडिया पद्मश्री डॉक्टर खादर अली की बेटी मिलेट्स डाइट विशेषज्ञ डॉक्टर सरला बीएएमएस गोल्ड मेडलिस्ट वर्कशॉप को कन्डक्ट करने के लिए पहुंची। जिसका मुख्य लक्ष्य था आहार से आरोग्य।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके व विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास जी द्वारा ध्यान मेडिटेशन करवाकर की गई। उसके पश्चात विश्वास फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा डॉक्टर सरला को पुष्प गुचछ देकर उनका स्वागत करके साथ ही सिरोपा देकर उनका सम्मान भी किया। ट्राइसिटी व कुछ बाहर से आए करीब 200 लोगों ने इस दो दिवसीय वक्र्शाप को अटेन्ड किया।

डॉक्टर सरला ने लेक्चर देकर लोगों को मिलेट्स के बारे में जागरूक किया और बताया कि मिलेट्स हमारे लिए क्यों फायदेमंद हैं। मिलेट्स का उपयोग ना सिर्फ 'मन बॉडी के लिए फायदेमंद है बल्कि इसकी खेती से कई लीटर पानी भी बचाया जा सकता है। 1 किलो चावल की खेती में 8000 लीटर पानी खर्च होता है जबकि 1 किलो की खेती में 200 से 300 लीटर पानी की खपत होती है।

सिरिधान्य यानी पांच प्रमुख मिलेटस जिसमें कोदो कुटकी सावा कंगनी और छोटी कंगनी के सेवन और इसके फायदे के बारे में बताया गया पांच प्रमुख मिलेटस का सेवन हर मौसम में किया जाना चाहिए। क्योंकि इसमें माइक्रो जैसे तत्व होते हैं यानी कि कोदो कुटकी सावा कंगनी और छोटी कंगनी को रेगुलर खाया जाए तो हमारे शरीर में बनने वाली अच्छी बैक्टीरिया की संख्या बढ़ जाती है और बुरे वैकटरिया की संख्या धीरे-धीरे घटने लगती है।

इस प्रक्रिया के बाद पेट में पुरानी बीमारी भी ठीक होने लगती है जबकि दूसरे अनाज खाने में उससे ग्लूकोस अधिक होने के कारण हमारे शरीर में ग्लूकोस बढ़ने लगता है। इसको पुलाव रोटी किसी भी तरह से खाया जा सकता है। कोदो कुटकी सावा कंगनी और छोटी कंगनी में आठ से 12 परसेंट फाइबर होता है और तीनो टाइम खाया जा सकता है। जिन लोगों ने इस वर्कशॉप को अटेन्ड किया उनके प्रश्नों का निवारण भी डॉक्टर सरला द्वरा मौके पर ही किया गया। इस कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी लोगों को मिलेट्स से बना हुआ भोजन ही खिलाया गया।

एसजीपीसी पर भड़के कांग्रेस सांसद बिट्टू,कहा;आतंकियों पर करोड़ों खर्च करते हो,शहीद सैनिकों के लिए फूटी कौड़ी नहीं

अमृतसर ।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में पंजाब के 4 सैनिकों के शहीद होने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (स्त्र्ढ्ढउ) के प्रमुख और अकाल तख्त जत्थेदार की चुप्पी पर सवाल खड़े किए हैं। बिट्टू ने शीर्ष सिख प्रतिनिधि निकायों के दो प्रतिनिधियों पर हमला बोलते हुए कहा कि वे भगोड़े खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों जैसे ''असामाजिक तत्वों का समर्थन और बचाव करने के लिए'' हमेशा सबसे आगे रहते हैं, मगर उन्हें शहीद परिवार की चीखें नहीं सुनाई देतीं।

लुधियाना के कांग्रेस सांसद बिट्टू ने पूछा है कि,यह भेदभाव क्यों? क्या वो सैनिक सिख समुदाय से नहीं थे? स्त्र्ढ्ढउ अपने आप को ''सिखों की

संसद'' कहती है, तो क्या वो सैनिक सिख नहीं थे, जो शहीद हुए? क्या शहीद सैनिकों के छोटे-छोटे बच्चों की चीखें तुम्हें सुनाई नहीं देतीं? आपको देश की रक्षा करने वालों के परिवारों के लिए कोई पीड़ा नहीं होती है,मगर सिर्फ उन लोगों का दर्द दीखता है,जो इसे तोड़ने का प्रयास करते हैं? तीन दिन हो गए,मगर न तो स्त्र्ढ्ढउ के अध्यक्ष और न ही अकाल तख्त के जत्थेदार ने पुंछ में शहीद हुए जवानों के लिए एक शब्द भी संवेदना प्रकट की है। क्या आपको शर्म नहीं आती?''

बता दें कि, कांग्रेस नेता बिट्टू पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं। बेअंत सिंह को खालिस्तान समर्थक आतंकवादियों ने मार डाला था। बिट्टू ने कहा, 'स्त्र्ढ्ढउ, जो लोगों के पैसे और दान से संचालित होती है। वो खालिस्तानी आतंकवादियों के लिए वकीलों को नियुक्त करने पर करोड़ों रुपये खर्च कर देती है। जैसा कि अमृतपाल का समर्थन कर रही है। बिट्टू ने कहा कि देश की सीमाओं पर शहीद होने वाले सैनिकों के बच्चों की शिक्षा और कल्याण के लिए उनके पास पैसा नहीं है।'